दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

वर्दी पहनना चाहती थीं सेलिना जेटली ...8

सिद्धार्थनगर
बुधवार , 25 नवंबर 2026
वर्ष: 13 अंक : 346 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

प्रकाश पर्व पर एनडीए परिवार में लौटा अकाली दल

पीएम नरेन्द्र मोदी बोले– पंजाब और पंजाबियों का हित सर्वोपरि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को शिरोमणि अकाली दल की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में वापसी का स्वागत किया। उन्होंने BJP-SAD गठबंधन को एक स्वाभाविक साझेदारी बताया, जो पंजाब और वहां के लोगों के कल्याण को प्राथमिकता देगी। एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने अकाली दल के एनडीए में फिर से शामिल होने पर खुशी जताई, खासकर श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर। प्रधानमंत्री ने कहा, पंजाब और पंजाबियों के कल्याण को सबसे ऊपर रखना! मुझे बहुत खुशी है कि शिरोमणि अकाली दल एनडीए परिवार में वापस आ गया है, और वह भी श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के मौके पर। उन्होंने BJP-SAD की साझेदारी को एक स्वाभाविक गठबंधन बताया और कहा कि यह जन–हितैषी शासन सुनिश्चित करने और पंजाब को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में काम करेगा। उन्होंने कहा, हमारा गठबंधन एक स्वाभाविक गठबंधन है, जो यह सुनिश्चित करेगा कि पंजाब को जन–हितैषी शासन मिले, जिससे राज्य प्रगति की नई ऊंचाइयों तक पहुंचे। इस गठबंधन के इतिहास को याद करते हुए, मोदी ने कहा कि इसे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, वरिष्ठ बीजेपी नेता



लालकृष्ण आडवाणी और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री सरदार प्रकाश सिंह बादल ने संवारा था। उन्होंने कहा, अटल जी, आडवाणी जी और सरदार प्रकाश सिंह बादल जी द्वारा संवारा गया अकाली दल–बीजेपी गठबंधन समय की कसौटी पर खरा उतरा है। इस नई साझेदारी पर भरोसा जताते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि यह गठबंधन पंजाब के लोगों की पहली पसंद बनकर उभरेगा। उन्होंने आगे कहा, ष्मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा गठबंधन पंजाब के लोगों की पहली पसंद बनेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने मंगलवार को राजधानी में मुलाकात की। इस बैठक में 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को मजबूत करने पर औपचारिक सहमति बनी। बीजेपी मुख्यालय में, दोनों पार्टियों के नेताओं ने सत्ताधारी आम आदमी पार्टी और कांग्रेस को चुनौती देने का अपना इरादा स्पष्ट किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए अमित शाह ने कहा बीजेपी और अकाली दल दोनों ने मिलकर पंजाब विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है, और अकाली दल आज से ही एनडीए में शामिल हो रहा है। यह बहुत खुशी की बात है कि गुरु पर्व के मौके पर, हमारे सबसे पुराने सहयोगियों में से एक, अकाली दल की एनडीए में वापसी हो रही है।ष् ष्जब हमने प्रधानमंत्री से एनडीए के विस्तार के बारे में बात की, तो उन्होंने सुखबीर बादल को फोन किया और कहा कि अब एनडीए पूरा हो गया है।

अखिलेश यादव ने कांग्रेस से सीट की जगह जीत के समीकरण पर विचार करने को कहा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे पर जारी बातचीत के बीच मंगलवार को कहा कि कांग्रेस को 'सीट की जगह जीत के समीकरण' पर विचार करना चाहिए, ताकि राज्य में गठबंधन की सरकार बनाई जा सके और फिर केंद्र में भी सत्ता परिवर्तन का रास्ता तैयार हो। इस बीच, दोनों दलों के बीच लगातार दूसरे दिन हुई बातचीत भी बेनतीजा रही, हालांकि नेताओं ने इसे सकारात्मक बताते हुए अगली दो बैठकों में गठबंधन को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद जताई। अखिलेश यादव ने कांग्रेस से सपा की ओर से उसके लिए प्रस्तावित 26 सीटों के अतिरिक्त अन्य सभी संभावित सीटों की सूची भी भेजने का आग्रह किया।

डेटा सुरक्षा को लेकर भारतीय सेना सख्त, सैन्यकर्मियों के लिए Facebook, TrueCaller, Snapchat समेत 87 ऐप हुए बैन

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने अपने सभी कर्मियों – जिनमें सैनिक, जवान और अधिकारी शामिल हैं – के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। इसमें उन्हें सुरक्षा कारणों से प्रतिबंधित 87 मोबाइल एप्लिकेशन का इस्तेमाल न करने का निर्देश दिया गया है। एडवाइजरी में सैन्य कर्मियों को चेतावनी दी गई है कि वे अपने मोबाइल डिवाइस पर इन एप्लिकेशन का इस्तेमाल न करें, क्योंकि इससे डेटा सुरक्षा से जुड़े जोखिम हो सकते हैं और संवेदनशील जानकारी का गलत इस्तेमाल किया जा सकता है। बैन किए गए ऐप्स नाम की इस सूची में कई तरह के एप्लिकेशन शामिल हैं, जैसे कि मैसेजिंग, वीडियो होस्टिंग, ई–कॉमर्स, गेमिंग, डेटिंग और सोशल डिस्कवरी, सोशल नेटवर्किंग, कंटेंट शेयरिंग, समाचार, वेब ब्राउजिंग और यूटिलिटी एप्लिकेशन। इसमें मैसेजिंग, शॉपिंग, सोशल नेटवर्किंग, मनोरंजन और ऑनलाइन बातचीत के लिए इस्तेमाल होने वाले कई लोकप्रिय प्लेटफॉर्म शामिल हैं। इस सूची में फेसबुक, स्नैपचौट, टिकटॉक, पबजी , टिंडर, बम्बल, शीन , अलीएक्सप्रेस , जूम और वाइबर जैसे नाम शामिल हैं। इस एडवाइजरी का उद्देश्य सैन्य कर्मियों द्वारा इन एप्लिकेशन के इस्तेमाल से पैदा होने वाले संभावित सुरक्षा जोखिमों को कम करना और संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा करना है।



सिख गुरुओं के बलिदान से सुरक्षित है भारत की पहचानः सीएम योगी

गुरु नानक देव जी ने देशभर में यात्राएं कर एक ओंकार का संदेश दिया

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि सिख गुरुओं के त्याग और बलिदान से ही भारत की पहचान सुरक्षित है तथा देश और धर्म की रक्षा के लिए उनका बलिदान भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है। मुख्यमंत्री ऐशबाग रोड स्थित डीएवी पीजी कॉलेज मैदान में श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सिख समुदाय को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सिख गुरुओं की परंपरा ने आस्था और संस्कृति की रक्षा के साथ ही अन्याय के खिलाफ खड़े होने का साहस दिया।

आदित्यनाथ ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने देशभर में यात्राएं कर एक ओंकार का



संदेश दिया। उनका मानना था कि ईश्वर एक है और सभी मनुष्य उसकी संतान हैं, इसलिए हर व्यक्ति समान सम्मान का अधिकारी है। उन्होंने गुरु नानक देव जी के तीन प्रमुख सिद्धांतों नाम जपो, कीरत करो और वंड छको का उल्लेख करते हुए कहा ''ईश्वर का स्मरण, ईमानदारी से परिश्रम और अपनी कमाई में दूसरों को भागीदार बनाना जीवन को सार्थक बनाता है। गुरुद्वारों की लंगर व्यवस्था समानता और सेवा की भावना का जीवंत उदाहरण है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख गुरुओं की परंपरा अन्याय और अत्याचार के खिलाफ निर्भीक होकर खड़े होने की प्रेरणा देती है। ''गुरु गोबिंद सिंह जी के चार साहिबजादों का बलिदान भी युवा पीढ़ी को धर्म, राष्ट्र और मूल्यों की रक्षा के लिए समर्पित रहने की सीख देता है।'' उन्होंने बताया कि लखनऊ के गुरुद्वारों के सहयोग से मुख्यमंत्री आवास में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने की परंपरा शुरू हुई थी। साथ ही उन्होंने कामना की कि लखनऊ के श्रद्धालुओं को ननकाना साहिब और करतारपुर साहिब में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होने का अवसर मिले।

कार्तिगई दीपम तो जला लेकिन वहां नहीं, जहां सुप्रीम कोर्ट ने दिया था आदेश

मदुरै (तमिलनाडु) की तिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर कार्तिगई दीपम का दीपक मंगलवार को विवादित दीपाथून

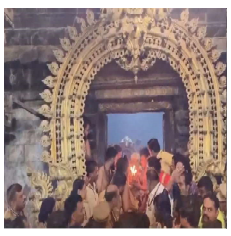

पत्थर के खंभे के बजाय पारंपरिक श्उचि पिल्लयार मंडपमश में जलाया गया। सुप्रीम कोर्ट ने इस जगह पर अनुष्ठान करने की अनुमति दी थी, लेकिन फिर भी ऐसा नहीं हुआ। इस त्योहार के दौरान तनाव काफी बढ़ गया थाय बीजेपी और हिंदू संगठनों के नेताओं को हिरासत में ले लिया गया और भारी पुलिस बल तैनात किया गया। राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश पर पुनर्विचार की मांग की थी। तमिलनाडु में हजारों श्रद्धालु इस त्योहार को मनाने के लिए इकट्ठा हुए। तिरुवन्नामलाई में पवित्र श्महा दीपमश के प्रज्वलन को देखने के लिए वे बारिश की परवाह किए बिना वहां डटे रहे।हालांकि, मदुरै के तिरुपरनकुंद्रम में उत्सव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई और राजनीतिक तनाव भी देखने को मिला। वहां निषेधाज्ञा लागू कर दी गई थी। एक पारंपरिक दीप जलाने को लेकर हुए विवाद के बीच, राज्य अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन सहित भाजपा के कई नेताओं को हिरासत में ले लिया गया या नजरबंद कर दिया गया।

दिल्ली दंगों मामले में शरजील इमाम और उमर खालिद की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय कर सकती है। शीर्ष अदालत में दाखिल अपनी याचिकाओं में दोनों कार्यकर्ताओं ने इस आधार पर जमानत का अनुरोध किया है कि अभियोजन पक्ष संरक्षित गवाहों के बयान दर्ज कराने में विफल रहा है और उच्चतम न्यायालय द्वारा लगाई गई एक वर्ष की रोक की अवधि समाप्त होने वाली है। इमाम की याचिका में दलील दी गई है कि मामले में 25 सितंबर, 2020 को आरोपपत्र दाखिल किया गया था, जिसमें 18 आरोपी मुकदमे का सामना कर रहे हैं और अभियोजन पक्ष ने 47 संरक्षित गवाहों सहित 900 से अधिक लोगों को गवाह बनाया है। खालिद ने भी अपनी याचिका में संरक्षित गवाहों के बयान दर्ज नहीं किए जाने का हवाला देते हुए कहा कि एक वर्ष की रोक की अवधि समाप्त होने के बाद उन्हें जेल में रखना संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन होगा।



फरवरी 2020 में उत्तर–पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के पीछे कथित ''बड़ी साजिश'' से जुड़े गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के मामले में जमानत देने से इनकार करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली शरजील इमाम और उमर खालिद की याचिकाओं पर बुधवार को सुनवाई करेगा। सुनवाई के लिए सूचीबद्ध मामलों की सूची के अनुसार, प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ इस मामले की सुनवाई

पंजाब में फिर बनी बीजेपी-अकाली दल की जोड़ी, राजा वड़िंग बोले- कांग्रेस को होगा फायदा

चंडीगढ़। पंजाब की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल एक बार फिर साथ आ गए हैं। दोनों पार्टियां मिलकर अगले विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। पंजाब की 117 विधानसभा सीटों पर अगले साल की शुरुआत में चुनाव होने हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गठबंधन का ऐलान किया। इस मौके पर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल भी मौजूद रहे। अकाली दल की होगी बड़े भाई की भूमिकाः गठबंधन की रूपरेखा बताते हुए अमित शाह ने कहा कि इस साझेदारी में शिरोमणि अकाली दल बड़े भाई की भूमिका निभाएगा।



सुप्रिया सुले के रुख पर बोले संजय राउत, परिसीमन में एनडीए का समर्थन विश्वासघात होगा

मुंबई। शिवसेना (UBT) के सांसद संजय राउत ने चेतावनी दी है कि जो भी पार्टी प्रस्तावित परिसीमन विधेयक (डिलिमिटेशन बिल) पर एनडीए का समर्थन करेगी, वह ष्छक्। गठबंधन के साथ विश्वासघात करेगी और उसे विपक्षी गठबंधन से बाहर हो जाना चाहिए। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब एनसीपी(एसपी) सांसद सुप्रिया सुले के उस कथित रुख को लेकर राजनीतिक बहस छिड़ गई है, जिसमें उन्होंने बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में औपचारिक रूप से शामिल हुए बिना ही इस विधेयक का समर्थन करने की बात कही है। पत्रकारों से बातचीत में राउत ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि एनसीपी(एसपी) प्रमुख शरद पवार या उनकी बेटी सुप्रिया सुले एनडीए के साथ जाएंगे, क्योंकि उनकी राजनीतिक विचारधारा अलग है और वे लंबे समय से बीजेपी नेतृत्व का विरोध करते रहे हैं। राउत ने कहा कि पवार ने अपने राजनीतिक करियर का एक बड़ा हिस्सा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जैसे नेताओं से लड़ने में बिताया है। उन्होंने समाज सुधारकों – महात्मा ज्योतिराव फुले, छत्रपति शाहू महाराज और डॉ. बी.आर. अंबेडकर – की प्रगतिशील विचारधारा का भी जिक्र किया और कहा कि पवार ने पूरे महाराष्ट्र में उनके विचारों को फैलाने का काम किया है। राउत ने कहा,

शेख हसीना की वतन वापसी पर क्या बड़ा ऐलान, बांग्लादेश लाने के लिए भेजेगा विमान?

नई दिल्ली। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना 16 दिसंबर को भारत में अपने निर्वासन से स्वदेश लौटने की योजना बना रही हैं। इस दिन को शविजय दिवसश के रूप में मनाया जाता है, जो पाकिस्तान के साथ युद्ध के बाद बांग्लादेश की स्वतंत्रता का प्रतीक है। 5 अगस्त 2024 को छात्रों के नेतृत्व में हुए व्यापक जन–आंदोलन के कारण शेख हसीना को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिससे उनका 15 साल लंबा शासन समाप्त हो गया और वे भारत आ गईं। विद्रोह को दबाने के दौरान हुए अत्याचारों के लिए, जिसमें



सैकड़ों प्रदर्शनकारी मारे गए थे, हसीना को उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई गई है। उन्होंने इस फैसले को खारिज कर दिया है और कहा है कि अगर वह बांग्लादेश लौटती हैं, तो वह इस मामले में कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं।

हसीना ने तारिक रहमान से उड़ान की व्यवस्था करने को कहाः मंगलवार को जारी एक बयान में अपनी वापसी की योजना की घोषणा करते हुए, हसीना ने प्रधानमंत्री तारिक रहमान से आग्रह किया कि वे बांग्लादेश की राष्ट्रीय एयरलाइन, शबिमान बांग्लादेश एयरलाइंसश से उनकी यात्रा की व्यवस्था करें और यात्रा के लिए जरूरी कागजी कार्रवाई पूरी करने में मदद करें।

शेख हसीना ने नया पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र मांगा

यह घोषणा उस घटना के कुछ हफ्तों बाद आई है, जब हसीना ने अपनी वापसी के लिए नया बांग्लादेशी पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र (छप्क) मांगा था। अगस्त 2024 में उनके भारत भाग जाने के बाद, उनके पुराने दस्तावेजों को रद्द कर दिया गया था।नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग को ईमेल किए गए एक पत्र में, हसीना ने अपने वकील के जरिए कार्यवाहक उच्चायुक्त से अनुरोध किया कि वे नए यात्रा और पहचान दस्तावेज जारी करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। 79 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री अगस्त 2024 में बांग्लादेश से भागने के बाद से भारत में रह रही हैं। वह बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व में हुए उस विद्रोह के बाद वहां से निकली थीं, जिसके कारण उनकी सरकार गिर गई थी।

एनसीबी और डीईए का अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट पर एक्शन 6 गिरफ्तार

नई दिल्ली। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) और अमेरिका के मादक पदार्थ प्रवर्तन प्रशासन (डीईए) ने मिलकर हाल में अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस सिलसिले में हुई जांच में पता चला है कि गिरफ्तार भारतीयों में से एक को कुछ साल पहले मादक पदार्थों से जुड़े एक मामले में अमेरिका से निर्वासित किया गया था, जबकि कुछ अन्य आरोपियों के पास एमबीए और बीटेक जैसी उच्च शैक्षणिक डिग्रियां हैं।

यूपी विधानसभा चुनावः सपा कांग्रेस को दे सकती है 26 विधानसभा सीटें

इमरान मसूद बोले– भीख नहीं मांग रहे

लखनऊ। 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए प्रस्तावित सीट–बंटवारे के तहत, समाजवादी पार्टी (सपा) कांग्रेस को 26 विधानसभा सीटें दे सकती है। हालांकि, इस प्रस्ताव के बारे में अभी तक कांग्रेस को आधिकारिक तौर पर सूचित नहीं किया गया है।

एससपी कांग्रेस को कौन सी सीटें देने की योजना बना रही है?: सूत्रों के अनुसार, प्रस्तावित सूची में वे दो सीटें शामिल हैं



जो कांग्रेस ने 2022 के विधानसभा चुनावों में जीती थीं – रामपुर खास और फरेन्दा – साथ ही वे चार निर्वाचन क्षेत्र भी शामिल हैं जहाँ पार्टी दूसरे स्थान पर रही थी। वे चार सीटें जहाँ 2022 में कांग्रेस दूसरे नंबर पर रही थी, वे हैरू मथुरा, खेरागढ़, जगदीशपुर और किदवई नगर। बाकी 20 सीटें ये हैरू बागपत, मोदीनगर, हापुड़, जेवर, स्याना, खुर्जा, खैर, इगलास, मांट, आगरा उत्तर, फतेहपुर सीकरी, बिलग्राम–मल्लावां, गोविंद नगर, नानपारा, गोरखपुर शहरी, खजनी, पडरौना, फाजिलनगर, पिंडरा और वाराणसी कैंट।

कांग्रेस की कम से कम 67 सीटों की मांग

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी को विधानसभा सीटों की एक सूची सौंपी है। इस सूची में सीटों को अलग–अलग श्रेणियों में बांटा गया है – 46 सीटों को श्श्रेणी ।श में और 21 सीटों को श्श्रेणी ठश में रखा गया है। पार्टी इन 67 सीटों पर कोई समझौता करने को तैयार नहीं है, लेकिन बाकी 64–65 सीटों पर वह लचीला रुख अपनाने के लिए तैयार है। श्श्रेणी ।श में 55 सीटें हैं, जहां कांग्रेस मजबूती से चुनाव लड़ना चाहती है। श्श्रेणी ठश में वे सीटें शामिल हैं जहां कांग्रेस ने अतीत में अच्छा प्रदर्शन किया है, जबकि श्श्रेणी ब्श में वे सीटें हैं जहां पार्टी को जीत की संभावना दिखती है। कांग्रेस की इस सूची पर अब समाजवादी पार्टी के साथ चर्चा की जाएगी। इससे पहले खबर आई थी कि कांग्रेस ने सीट बंटवारे पर बातचीत के लिए 181 सीटों के नाम सौंपे हैं। इनमें 135 सामान्य सीटें हैं, 45 सीटें अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित हैं, और एक सीट अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित है।

बुजुर्गों के सम्मान और संस्कारों का संदेश लेकर यूनीक साइंस एकेडमी में मनाया गया ग्रैंडपेरेंट्स डे.

दैनिक बुद्ध का संदेश





बस्ती। यूनीक साइंस एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के परिसर में ग्रैंडपेरेंट्स डे (दादा–दादी एवं नाना–नानी दिवस) का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में बुजुर्गों के प्रति सम्मान, प्रेम, आत्मीयता और पारिवारिक संस्कारों की भावना विकसित करना रहा। समारोह में बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित दादा–दादी एवं नाना–नानी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के डायरेक्टर संतोष कुमार श्रीवास्तव एवं प्रधानाचार्य राजेश कुमार श्रीवास्तव ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने अपने दादा–दादी एवं नाना–नानी के सम्मान में स्वागत गीत, कविता पाठ और आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर समारोह को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में प्रखर ने गणेश नृत्य प्रस्तुत कर सभी का ध्यान आकर्षित किया, वहीं आन्या ग्रुप ने 'दादा जी की छड़ी हूं मैं' गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं। बच्चों ने अपने अभिभावकों एवं बुजुर्गों के साथ विभिन्न मनोरंजक खेलों में भी प्रतिभाग किया। खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को विद्यालय की ओर से पुरस्कृत किया गया। इस दौरान बुजुर्गों और बच्चों के बीच आत्मीय संवाद, मनोरंजक गतिविधियां तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहीं। बच्चों की प्रतिभा और बुजुर्गों के उत्साह ने समारोह में पारिवारिक अपनत्व एवं खुशियों का माहौल बना दिया। विद्यालय के डायरेक्टर संतोष कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि बुजुर्ग परिवार की नींव होते हैं। उनके अनुभव, संस्कार और आशीर्वाद बच्चों के जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। आज की व्यस्त जीवनशैली में बच्चों को अपने बुजुर्गों के साथ समय बिताने, उनके अनुभवों से सीखने तथा उनके प्रति सम्मान एवं संवेदनशीलता विकसित करने की आवश्यकता है। ऐसे आयोजन बच्चों को पारिवारिक मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रधानाचार्य राजेश कुमार श्रीवास्तव ने आयोजन में शामिल सभी बच्चों, दादा–दादी, नाना–नानी एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में वंदना उपाध्याय, ज्योति श्रीवास्तव, अमन, यासमीन, अंशु, तनु, सुप्रिया, सौम्या, रंजना, आयुषी, सानिया, आकांक्षा पांडेय सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

कार्तिक पूर्णिमा पर जंगली बाबा स्थान पर भव्य मेले का सांसद जगदंबिका पाल ने किया उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश



सिद्धार्थनगर। कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सोहांस सुमाली के टोला श्रीरामपुर स्थित जंगली बाबा स्थान पर कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर भव्य मेले का आयोजन किया गया।

मेले का शुभारंभ सांसद जगदंबिका पाल ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर सांसद जगदंबिका पाल ने मेले में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों को कार्तिक पूर्णिमा की शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी परंपराओं, आस्था और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। मेले के आयोजन में मेला कमेटी के अध्यक्ष विश्वनाथ गुप्ता, व्यवस्थापक विफई, विनय गुप्ता, अनिल गुप्ता, मंडल प्रभारी रमेश मणि, पंकज चौबे, हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व अध्यक्ष रमेश गुप्ता, विनीत चतुर्वेदी, मुरारी सिंह, देशबंधु शुक्ला, दिलीप सिंह सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों की सहभागिता रही।

आयोजन को लेकर लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्तिक पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर जंगली बाबा स्थान पर आयोजित मेले ने धार्मिक आस्था और सामाजिक सौहार्द का सुंदर संदेश दिया।

लेदवा मेले में बिछड़ों का सहारा बना खोया–पाया केंद्र,करीब दो दर्जन बच्चों को परिजनों से मिलवाई शोहरतगढ़ पुलिस

दैनिक बुद्ध का संदेश







शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बानगंगा नदी के लेदवा घाट पर आयोजित ऐतिहासिक मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच पुलिस की ओर से बनाया गया खोया–पाया केंद्र बिछड़े बच्चों और उनके परिजनों के लिए बड़ी राहत साबित हुआ। मेले में घूमने के दौरान अपने परिवार से बिछड़े एक दर्जन से अधिक बच्चों को पुलिस ने सकुशल बरामद कर उनके परिजनों से मिलाया। अपनों से मिलने के बाद बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई तो परिजनों ने भी राहत की सांस ली।मेले में भीड़ के दौरान जुगडिहवा निवासी रेहाना पत्नी नईम ने अपने तीन वर्षीय बेटे मैसर के बिछड़ने की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और बच्चे को तलाश कर उसकी मां के सुपुर्द कर दिया। इसी तरह बेलहिया गांव की विद्या, देवी नगर की गुनाज पुत्री हजरत, मिश्रौलिया से अपने ननिहाल बसहिया आए इस्माइल पुत्र इरशाद, बगुलहवा निवासी नूर पुत्री अजमेर राही, मिझुनिया निवासी आराधना पुत्री सला चौधरी, गोल्हौरा निवासी प्रांजल पुत्री पंचम, बोहली निवासी साहिबा पुत्री मोहम्मद रफीक, अहिरौला निवासी आलोक पुत्र लाल किशोर यादव, खैरा निवासी शैलेश पुत्र सुकई तथा सिहोरवा निवासी जाहिर और शादाब सहित अन्य बिछड़े बच्चों को पुलिस ने उनके परिजनों से मिलवाया।मेले में उमड़ी भीड़ को देखते हुए पुलिस की ओर से खोया–पाया केंद्र स्थापित किया गया था, जहां बिछड़े बच्चों और उनके परिजनों के संबंध में सूचनाएं दर्ज कर तत्काल खोजबीन की जा रही थी। पुलिसकर्मियों की सक्रियता और आपसी समन्वय से बच्चों को सुरक्षित उनके परिवार तक पहुंचाने में मदद मिली। सुरक्षा व्यवस्था की कमान क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद शर्मा संभाल रहे थे। इस दौरान इंस्पेक्टर अतिउल्लाह अंसारी, उपनिरीक्षक रामशब्द यादव, महेंद्र चौहान, हेड कांस्टेबल दिनेश यादव सहित पुलिसकर्मी मेले में मुस्तैद रहे।

खेल के मैदान में निखरी नन्हीं प्रतिभाएं, दौड़ से कबड्डी तक बच्चों ने दिखाया दमखम

दैनिक बुद्ध का संदेश

कुशीनगर।ग्राम पंचायत नोनिया पट्टी स्थित संविलियन विद्यालय के प्रांगण में सोमवार को ब्लॉक स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। खेल के मैदान में बच्चों का जोश, उमंग और प्रतिभा देखते ही बन रही थी। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि एवं प्रधान संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कुशवाहा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।प्रतियोगिता में ब्लॉक की सभी न्याय पंचायतों के विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया। इस दौरान 50, 100 एवं 200 मीटर दौड़, कबड्डी, खो–खो, श्रुतलेख, ऊंची कूद, लंबी कूद, पीटी, योगासन सहित विभिन्न खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। बच्चों ने अपनी खेल प्रतिभा, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।प्रतियोगिता के परिणामों में प्राथमिक वर्ग की 50 मीटर दौड़ में उच्च प्राथमिक विद्यालय घनहा के शिवम ठाकुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि 100 मीटर दौड़ में उच्च प्राथमिक विद्यालय रुदवलिया के इरशाद ने बाजी मारी। बालिका वर्ग की 50 मीटर दौड़ में उच्च प्राथमिक



विद्यालय मठवा की रीनू तथा 100 मीटर दौड़ में उच्च प्राथमिक विद्यालय नोनिया पट्टी की आलिया खातून ने प्रथम स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।वहीं जूनियर वर्ग की 100 मीटर दौड़ में उच्च प्राथमिक विद्यालय घनहा के नीतिल ठाकुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि बालिका वर्ग में जौरा बाजार की पिंकी यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपाध्यक्ष प्रधान संघ विश्वविजय सिंह सहित सुग्रीम कुशवाहा, वर्मा यादव, राज किशोर प्रसाद, गजेंद्र गोंड, वीरेन्द्र कुशवाहा, अजीत यादव, राधेश्याम कुशवाहा, शिवम यादव, मुसाहब अंसारी, तुलसी पासवान, विनोद यादव एवं सूर्यभान कुशवाहा उपस्थित रहे।इसके अलावा राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के मंडल अध्यक्ष राजेश शुक्ला, जिलाध्यक्ष अविनाश शुक्ला, प्रांतीय संयुक्त मंत्री कलमदानी सिंह, जिला कोषाध्यक्ष दयाशंकर सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष जूनियर रामेश्वर सिंह, मंत्री ओमप्रकाश, ब्लॉक अध्यक्ष प्राथमिक विद्याशंकर पांडेय, मंत्री फरहद अली, एआरपी सुनील वर्मा, संजय शाही, कामेश्वर पाठक, अखिलेश शर्मा, अक्षय गुप्ता, संदीप त्रिपाठी व्यायाम शिक्षक, अखंड प्रताप शाही, ऊषा सिंह, इंदु गोंड, मंजू सिंह, उर्मिला सिंह, विंध्यवासिनी सिंह, अमर सिंह, जितेंद्र सिंह, सुरेश कुशवाहा, वसीम, अमरीश राव, दीपक सिंह, परमानंद कुशवाहा, गोवर्धन सिन्हा, श्यामनाथ गोंड, मुन्ना यादव, माता सिंह, यासवेंद्र त्रिपाठी, भास्कर यादव, सतीश गोंड, अजीत वर्मा एवं सुधा यादव सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण मौजूद रहे।कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन तामेश्वर पाठक एवं दीपक सिंह ने किया। प्रतियोगिता ने न केवल बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच दिया, बल्कि उनमें खेल भावना, आत्मविश्वास, अनुशासन और आपसी सहयोग की भावना को भी मजबूत किया।

दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की पिकअप बंधे पर पलटी, 10 घायल; चार जिला अस्पताल रेफर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बस्ती जिले के दुबौलिया थाना क्षेत्र में मंगलवार को



श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप अनियंत्रित होकर बंधे पर पलट गई। हादसे में 10 लोग घायल हो गए। घायलों में चार की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं, छह लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।जानकारी के अनुसार, कलवारी थाना क्षेत्र के गंगापुर गांव से श्रद्धालु पिकअप पर सवार होकर बाबा रामनिहाल दास कुटी उमरिया में दर्शन करने जा रहे थे। इसी दौरान सेमरा मुस्तहकम गांव के पास बंधे पर बने गड्ढे को बचाने के प्रयास में चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिससे पिकअप सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कलवारी पहुंचाया।सीएचसी में चिकित्सकों ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया। घायलों में नेहा, रीमा, अनीशा और स्नेहा की स्थिति गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।इस दौरान श्राम–जानकी मार्ग के देवदूतश् डॉ. प्रेम त्रिपाठी ने मानवता की मिसाल पेश की। वह घटनास्थल पर पहुंचे और अपने निजी वाहन से घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। उनके इस मानवीय प्रयास की स्थानीय लोगों द्वारा सराहना की जा रही है।हादसे ने एक बार फिर बंधे पर बने गड्ढों और सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कार्तिक पूर्णिमा पर बानगंगा के घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

दैनिक बुद्ध का संदेश





शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। कार्तिक मास के अंतिम स्नान पर्व कार्तिक पूर्णिमा पर मंगलवार को बानगंगा नदी के विभिन्न घाटों पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सूर्योदय से पहले ही बानगंगा बैराज, महथा और लेदवा घाट पर हजारों श्रद्धालु स्नान के लिए पहुंच गए। सुबह होते–होते घाटों पर भीड़ इतनी बढ़ गई कि तिल रखने तक की जगह नहीं बची। दूर–दराज के क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने पवित्र बानगंगा नदी में आस्था की डुबकी लगाकर सूर्यदेव को अर्घ्य दिया और भगवान कार्तिकेय की पूजा–अर्चना कर परिवार की सुख–समृद्धि एवं आरोग्य की कामना की।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान, दान और पूजा–अर्चना का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन पवित्र नदियों में स्नान और दीपदान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर कस्बा शोहरतगढ़ स्थित रुंगटा साड़ीज के प्रोपराइटर गोपी रुंगटा भी सुबह करीब चार बजे बानगंगा बैराज पहुंचे। उन्होंने नदी में स्नान करने के बाद घाट किनारे दीप प्रज्वलित कर विधि–विधान से पूजा–अर्चना की।कार्तिक पूर्णिमा के दिन देव दीपावली भी मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का वध किया था, जिसके उपलक्ष्य में देवताओं ने दीपोत्सव मनाया था। वहीं, मान्यता है कि इसी दिन भगवान कार्तिकेय का जन्म हुआ था तथा भगवान विष्णु ने मत्स्य अवतार धारण किया था। इन धार्मिक मान्यताओं के चलते पर्व पर स्नान, दान और पूजा का विशेष महत्व माना जाता है।कार्तिक पूर्णिमा सिख धर्म के अनुयायियों के लिए भी विशेष महत्व रखती है। इस दिन सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी का प्रकाशोत्सव मनाया जाता है। श्रद्धालु गुरुद्वारों में पहुंचकर गुरुवाणी का श्रवण करते हैं और गुरु नानक देव जी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं। स्नान और दान के बाद बानगंगा नदी के लेदवा घाट पर पारंपरिक मेले का भी आयोजन हुआ। मेले में सर्कस, झूले, मिठाई, विसातखाना और खिलौनों समेत विभिन्न दुकानों पर लोगों की भीड़ उमड़ी रही। नेपाल सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने मेले का आनंद लिया। मेले के व्यवस्थापक मोहम्मद आसिम उर्फ नैय्यर रहे। वहीं, श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी और थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद शर्मा पुलिस टीम के साथ मुस्तैद रहे।

कार्यालय : अधीक्षण अभियन्ता बस्ती वृत्त, लो०नि०वि०, बस्ती

पत्रांक- 6596/04 ई-निविदा-बस्ती वृत्त/2026 **दिनांक : 18/11/2026**

निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, महोदय उत्तर प्रदेश की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बस्ती वृत्त, लो०नि०वि०, बस्ती द्वारा उत्तर प्रदेश, लोक निर्माण विभाग में भवन कार्य हेतु 'ए', 'बी' श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निम्नलिखित कार्य हेतु ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य की निविदा आनलाइन आमंत्रित की जाती है। बिडर्स को सलाह दी जाती है कि वे आई०टी०बी० के क्लाज–4 में निविदा स्वीकृत करने के सम्बन्ध में न्यूनतम योग्यता हेतु बिडर्स को दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें।

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7
वित्तीय वर्ष 2026–27 में भवन का कार्य।						
1	सिद्धार्थनगर	जनपद सिद्धार्थनगर के निरीक्षण भवन इटवा में 02 अतिरिक्त सूट, मीटींग हॉल, गार्ड रूम एवं नाली निर्माण कार्य।	108.00	7.40	2714.00	06 माह

2. प्रत्येक निविदा का शुल्क खाता UP e-tender online Account-Government के Internet Banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी।
3. प्रत्येक निविदा सिक्योरिटी धनराशि खाता UP e-tender online Account के Internet Banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी। बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाईट http//etender.up.nic.in पर दिनांक 02.12.2026 से 09.12.2026 तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 09.12.2026 को समय दोपहर 12.00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 09.12.2026 को 12.30 बजे खोली जायेगी।
4. निविदा आमंत्रणकर्ता को संशोधन, शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, जो आनलाइन उपलब्ध रहेगा। समस्त इच्छुक निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वे ई–टेण्डर पोर्टल को नियमित रुप से देखते रहे।
5. निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। इस बेवसाइट के चाणक्य पोर्टल के प्रहरी साफ्टवेयर पर निविदा अपलोड की जायेगी। प्रहरी साफ्टवेयर की बेवसाइट www.uppwd.goiv.in/prahari है।

(आशीष भारद्वाज)
अधीशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0
जनपद– सिद्धार्थनगर।

(कर्मवीर सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बस्ती वृत्त, लो0नि0वि0
जनपद– बस्ती।

आर0ओ0संख्या– 261648,दिनांक–23.11.2026, विज्ञापन वेबसाइट http://upgov.nic.in पर उपलब्ध।

सैकड़ों वर्षों से कायम है बड़हरघाट (गोबरहिया घाट) ऐतिहासिक मेले की परंपरा, उमड़ा जनसैलाब

दैनिक बुद्ध का संदेश





मिश्रौलिया / सिद्धार्थनगर। कार्तिक पूर्णिमा के पावन पर्व पर पारसी नदी के प्रसिद्ध बड़हरघाट (गोबरहिया घाट) पर ऐतिहासिक मेले का आयोजन हुआ। सैकड़ों वर्षों से चली आ रही इस मेले की परंपरा आज भी क्षेत्र की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता की पहचान बनी हुई है। पर्व के अवसर पर भोर होते ही नदी के घाटों पर श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। देखते ही देखते घाटों पर जनसैलाब उमड़ पड़ा। कार्तिक पूर्णिमा के महत्व को देखते हुए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पारसी नदी में आस्था की डुबकी लगाई और विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर परिवार की सुख–समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने मेले में पहुंचकर खरीदारी की और मेले का आनंद उठाया। मेले में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की भी अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। बड़हरघाट का यह मेला केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि क्षेत्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान भी है। आसपास के गांवों के साथ दूर–दराज के क्षेत्रों से भी लोग यहां पहुंचते हैं। मेले में विभिन्न प्रकार की दुकानें, खानपान के स्टॉल, खिलौने, घरेलू उपयोग की वस्तुएं और मनोरंजन के साधन लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे। बच्चों में मेले को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। सैकड़ों वर्षों से चली आ रही इस परंपरा को आज भी क्षेत्र के लोग पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ निभा रहे हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही यह परंपरा स्थानीय संस्कृति और धार्मिक विरासत को जीवंत बनाए हुए है। मेले के दौरान पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल रहा और श्रद्धालुओं की आवाजाही से घाट गुलजार रहे।

बड़हरघाट का ऐतिहासिक मेला एक बार फिर क्षेत्र की लोक आस्था, परंपरा और सामाजिक समरसता का जीवंत उदाहरण बना।

शपथपत्र और साक्ष्य के बाद भी कार्रवाई का इंतजार, तीन अन्य पंचायतों में शपथपत्र की मांग; जिला पंचायत राज अधिकारी की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश **पंकज चौबे**

सिद्धार्थनगर। जिले की ग्राम पंचायतों में कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर दर्ज शिकायतों के निस्तारण में हो रही देरी अब सवालों के घेरे में है। शिकायतकर्ता पंकज चौबे निवासी ग्राम हलौरा द्वारा चार ग्राम पंचायतों से संबंधित वित्तीय अनियमितताओं की शिकायतें जनसुनवाई पोर्टल पर दर्ज कराई गई हैं। इनमें एक ग्राम पंचायत की शिकायत में शपथपत्र और साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने के बाद भी जांच कार्रवाई लंबित है, जबकि तीन अन्य ग्राम पंचायतों के मामलों में विभाग की ओर से शपथपत्र और साक्ष्य मांगे जा रहे हैं।

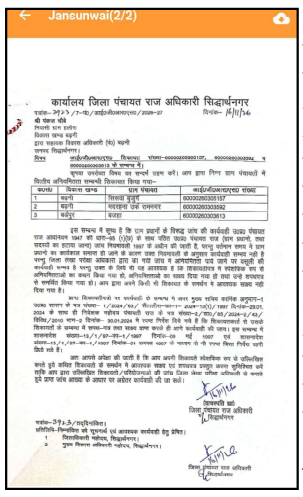
Janaunwai(2/2)

कार्यालय जिला पंचायत राज अधिकारी सिद्धार्थनगर

क्रमांक	विकास खण्ड	ग्राम पंचायत	कार्यालयआदानप्रदान संख्या
1	बढ़नी	सिसवा बुजुर्ग	6000028030187
2	बढ़नी	सरायना उर्फ रामनगर	6000028030382
3	बर्डपुर	बजहा	6000028030613

शिकायतों में विकास खण्ड बढ़नी की ग्राम पंचायत सिसवा बुजुर्ग, मधवाना उर्फ रामनगर तथा विकास खण्ड बर्डपुर की ग्राम पंचायत बजहा शामिल हैं। इन तीनों मामलों में जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय की ओर से शिकायतों के समर्थन में शपथपत्र एवं आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत करने को कहा गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, इन मामलों में शपथपत्र अभी प्रस्तुत नहीं किया गया है।

वहीं विकास खण्ड बढ़नी की ग्राम पंचायत सिंहोरवा का मामला अलग है। इस संबंध में शिकायतकर्ता ने 7 अगस्त 2026 को शिकायत प्रस्तुत की थी। पहले साक्ष्य उपलब्ध नहीं होने की बात सामने आई, जिसके बाद शपथपत्र और साक्ष्य प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। शिकायतकर्ता द्वारा शपथपत्र एवं साक्ष्य उपलब्ध कराने के बाद जिलाधिकारी कार्यालय ने 28 सितंबर 2026 को जिला लेखा परीक्षा अधिकारी सिद्धार्थनगर को जांच अधिकारी नामित करते हुए जांच आख्या मांगी थी। इसके बावजूद 28 अक्टूबर 2026 को जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय की ओर से जारी पत्र में जांच अधिकारी की आख्या प्राप्त होने के बाद अग्रिम कार्रवाई किए जाने की बात कही गई। इससे स्पष्ट है कि मामला अभी जांच आख्या और आगे की कार्रवाई के इंतजार में है।

जिला पंचायत राज अधिकारी की भूमिका पर सवाल: एक तरफ तीन ग्राम पंचायतों की शिकायतों में शपथपत्र की मांग की जा रही है, तो दूसरी तरफ सिंहोरवा के मामले में शपथपत्र और साक्ष्य दिए जाने तथा जिलाधिकारी स्तर से जांच अधिकारी नामित होने के बावजूद कार्रवाई आगे बढ़ने का इंतजार है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जांच अधिकारी द्वारा अब तक आख्या उपलब्ध क्यों नहीं कराई गई? क्या संबंधित ग्राम पंचायतों के वित्तीय अभिलेखों, भुगतान और कराए गए कार्यों का भौतिक सत्यापन कराया जाएगा? शिकायतों के निस्तारण की समयसीमा क्या है?

शिकायतकर्ता ने मांग की है कि संबंधित ग्राम पंचायतों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए नियमानुसार निष्पक्ष जांच कराई जाए और जांच में वित्तीय अनियमितता प्रमाणित होने पर जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

बानगंगा गेस्ट हाउस के पीछे बाउंड्री निर्माण में पीली ईंटों के प्रयोग पर उठे सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश **पंकज चौबे**

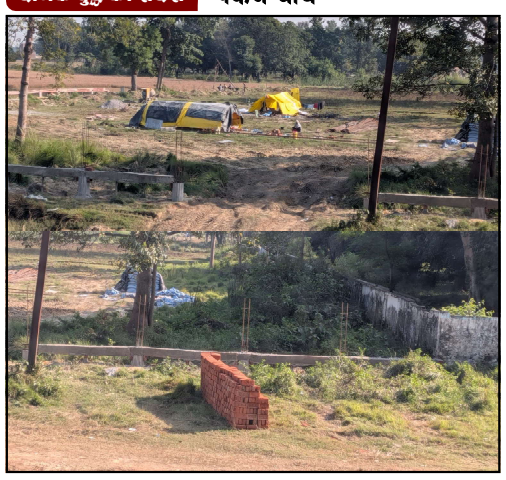

निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल, सिंचाई विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की निगरानी पर भी उठ रही चर्चा

सिद्धार्थनगर। बानगंगा स्थित गेस्ट हाउस के पीछे सिंचाई विभाग द्वारा कराए जा रहे बाउंड्री निर्माण कार्य में पीली ईंटों के प्रयोग को लेकर निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। निर्माण कार्य में इस्तेमाल की जा रही ईंटों को देखकर स्थानीय स्तर पर मानकों के पालन को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।सरकारी धन से कराए जा रहे इस निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों के अनुसार सामग्री का इस्तेमाल हो रहा है या नहीं, यह जांच का विषय है। सवाल यह भी है कि निर्माण कार्य की निगरानी कर रहे जिम्मेदार अधिकारियों और अवर अभियंताओं ने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच की है या नहीं।

अब देखना यह है कि सिंचाई विभाग के उच्चाधिकारी मामले को संज्ञान में लेकर मौके पर जांच कराते हैं या नहीं। यदि निर्माण में मानकों की अनदेखी पाई जाती है तो जिम्मेदारों के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है।

सरकारी धन से होने वाले निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करना विभाग की जिम्मेदारी है।

संविधान के मूल्यों को जन–जन तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी : सांसद जगदंबिका पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश





राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आह्वान पर 26 से 29 नवंबर तक देशभर में मनाया जाएगा संविधान दिवस समारोह, सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल में 26 नवंबर को होगा भव्य आयोजन

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र के सांसद जगदंबिका पाल ने अपने कैंप कार्यालय पर संविधान दिवस के आयोजन को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने संविधान के ऐतिहासिक महत्व, संविधान निर्माताओं के योगदान, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा नई पीढ़ी को संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारत के संविधान को अंगीकृत किया था, जबकि 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ और भारत एक गणराज्य बना। वर्ष 2015 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की पहल की गई। यह दिवस भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर सहित संविधान निर्माण में योगदान देने वाले सभी महान व्यक्तित्वों को स्मरण करने और उनके विचारों को आत्मसात करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आह्वान पर देशभर में 26 से 29 नवंबर तक संविधान दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में 26 नवंबर को सिद्धार्थनगर के सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों, युवाओं और आम नागरिकों को भारतीय संविधान की मूल भावना, उसकी प्रस्तावना, मौलिक अधिकारों एवं मौलिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

सांसद ने कहा कि भारतीय संविधान के मूल आदर्श न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व हमारे लोकतंत्र की मजबूत नींव हैं। संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर श्हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमानश अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत देशभर में 13,700 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें एक करोड़ से अधिक नागरिकों ने सहभागिता की। उन्होंने विद्यालयों और युवाओं की भूमिका पर विशेष जोर देते हुए कहा कि देश के भविष्य को मजबूत बनाने के लिए विद्यार्थियों में संविधान के प्रति जागरूकता और संवैधानिक संस्कार विकसित करना आवश्यक है। सिद्धार्थनगर के सिद्धार्थविश्विद्यालय , सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल जैसे कई शिक्षण संस्थान इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ, निबंध प्रतियोगिता, वाद–विवाद एवं परिचर्चा जैसी गतिविधियां बच्चों को संविधान के आदर्शों और लोकतांत्रिक मूल्यों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं।

उन्होंने कहा कि संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, सामाजिक समरसता और लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है। प्रत्येक नागरिक को अपने अधिकारों के साथ–साथ मौलिक कर्तव्यों को भी समझना और उनका पालन करना चाहिए। लोकतंत्र, समानता, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। अंत में सांसद जगदंबिका पाल ने आह्वान किया कि संविधान के आदर्शों को केवल पुस्तकों और आयोजनों तक सीमित न रखकर अपने व्यवहार और दैनिक जीवन में आत्मसात करें। संविधान का सम्मान करें, लोकत

ांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाएं और जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। इस अवसर पर क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेंद्र पांडेय, जिला महामंत्री फतेह बहादुर सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा एवं बिहार की प्रवासी गुंजा देवी, डॉ. सीमा मिश्रा, मीडिया प्रभारी रमेश मणि त्रिपाठी शिक्षक प्रकोष्ठ के दीनबंधु शुक्ल , पंडित विनीता चतुर्वेदी तथा मंडल अध्यक्ष सतीश रस्तोगी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भारतभारी मेले में बना स्व–गणना केंद्र सेल्फी प्वाइंट

दैनिक बुद्ध का संदेश



डुमरियागंज / सिद्धार्थनगर। जनगणना–2027 के दूसरे चरण के तहत उत्तर प्रदेश में 16 नवंबर से स्व–गणना की प्रक्रिया शुरू है। इसी क्रम में डुमरियागंज के प्रसिद्ध भारतभारी मेले में मंदिर परिसर में स्व–गणना केंद्र और श्स्व–गणना कैसे करें?श थीम पर सेल्फी प्वाइंट बनाया गया है। इसके माध्यम से मेले में आने वाले लोगों को जनगणना की ऑनलाइन प्रक्रिया की जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है।अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) डॉ. ज्ञान प्रकाश ने बताया कि स्व–गणना केंद्र पर पहुंचकर लोग जनगणना–2027 के तहत स्वयं अपने परिवार का विवरण दर्ज करने की प्रक्रिया समझ सकते हैं। उन्होंने कहा कि लोग यहां से जानकारी प्राप्त कर अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें, जिससे अधिक से अधिक नागरिक इस सुविधा का लाभ उठा सकें।उन्होंने बताया कि यह भारत की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद आठवीं जनगणना है, जिसे डिजिटल माध्यम से कराया जा रहा है। पहले चरण में मकानों की सूची और आवास संबंधी जानकारी जुटाई गई, जबकि दूसरे चरण में जनसंख्या गणना के दौरान परिवार के प्रत्येक सदस्य का विवरण दर्ज किया जाएगा।एडीएम न्यायिक ने बताया कि स्व–गणना एक सुरक्षित और सरल वेब आधारित सुविधा है, जो 16 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है। इसके लिए नागरिकों को आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना राज्य चुनना होगा और कैप्चा भरना होगा। इसके बाद अपनी पसंद की भाषा चुनकर परिवार के मुखिया के मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज करना होगा।इसके बाद डिजिटल नक्शे पर अपने घर की सही लोकेशन चिह्नित कर परिवार के सभी सदस्यों का विवरण भरना होगा। जानकारी जमा करने के बाद 11 अंकों की स्व–गणना पहचान संख्या (एसई आईडी) प्राप्त होगी, जिसका स्क्रीनशॉट सुरक्षित रखना जरूरी है।उन्होंने बताया कि स्व–गणना की अंतिम तिथि 30 नवंबर 2026 निर्धारित की गई है। इसके बाद एक दिसंबर 2026 से चार जनवरी 2027 तक प्रगणक घर–घर जाकर जनगणना का कार्य करेंगे। इस दौरान परिवारों को अपनी स्व–गणना पहचान संख्या (एसई आईडी) दिखानी होगी। इसके बाद पांच से नौ जनवरी 2027 तक पुनरीक्षण का कार्य किया जाएगा।उन्होंने सभी नागरिकों से निर्धारित समय सीमा के भीतर स्व–गणना पूरी करने और जनगणना अभियान में सहयोग करने की अपील की। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए टोल फ्री नंबर 1855 पर संपर्क किया जा सकता है। वहीं विस्तृत जानकारी आधिकारिक वेबसाइट बमदेनेपदकपं.हवअ.पद पर उपलब्ध है।इस अवसर पर उपजिलाधिकारी विवेकानंद मिश्र, तहसीलदार अभिषेक कुमार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

शादी तय होने के अगले ही दिन युवती की संदिग्ध मौत, फांसी के फंदे पर मिला शव

दैनिक बुद्ध का संदेश

पथरा बाजार / सिद्धार्थनगर। पथरा बाजार थाना क्षेत्र के एक गांव में शादी का रिश्ता तय होने के अगले ही दिन 19 वर्षीय युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रविवार देर रात युवती का शव कमरे में छत की कुंडी के सहारे फंदे से लटकता मिला। सोमवार सुबह कमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर परिजनों ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर का श्य देखकर उनके होश उड़ गए। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।जानकारी के अनुसार, रविवार को युवती को देखने के लिए लड़के पक्ष के लोग उसके घर पहुंचे थे। दोनों परिवारों के बीच बातचीत और सहमति के बाद लड़का और लड़की शादी के लिए राजी हो गए थे। इस दौरान दोनों ने एक–दूसरे को अंगूठी पहनाई। साथ ही मई महीने में शादी की तारीख भी तय कर दी गई थी। रिश्ता तय होने की खुशी में लड़के पक्ष के लोग अपने घर लौट गए।बताया जा रहा है कि रविवार देर रात युवती अपने कमरे में सोने चली गई। सोमवार सुबह काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों ने आवाज लगाई और दरवाजा खटखटाया। अंदर से कोई जवाब नहीं मिलने पर दरवाजा तोड़ा गया। कमरे के अंदर युवती का शव फंदे से लटकता मिला। इसके बाद परिवार में चीख–पुकार मच गई।घटना के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही सोमवार सुबह रात्री नदी के बघनी घाट पर शव का अंतिम संस्कार कर दिया। रिश्ता तय होने के महज एक दिन बाद युवती की मौत और पुलिस को सूचना दिए बिना अंतिम संस्कार किए जाने को लेकर गांव में तरह–तरह की चर्चाएं हो रही हैं।इस संबंध में थानाध्यक्ष जनार्दन प्रसाद ने बताया कि उन्हें इस तरह की किसी घटना की जानकारी नहीं है।

भाजपा नौगढ़ देहात मंडल की कामकाजी बैठक संपन्न, मतदाता जोड़ो अभियान पर हुई विस्तृत चर्चा

दैनिक बुद्ध का संदेश





सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर भाजपा कार्यालय सिद्धार्थनगर पर नौगढ़ देहात मंडल की कामकाजी बैठक का आयोजन किया गया बैठक में मतदाता जोड़ो अभियान को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने की रणनीति बनाई गई। बैठक में कार्यकर्ताओं से आह्वान किया गया कि प्रत्येक बूथ पर अधिक से अधिक नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए सक्रियता से कार्य करें। इसके लिए सभी बूथों पर फार्म–6 उपलब्ध कराया गया, ताकि पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने की प्रक्रिया को सुगम बनाया जा सके। बैठक में संगठन की मजबूती और बूथ स्तर पर अभियान की सफलता को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए गए।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष आशीष शुक्ला, मंडल प्रभारी रमेश मणि त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष सोनू गुप्ता सहित सभी शक्ति केंद्र संयोजक एवं बूथ अध्यक्षगण उपस्थित रहे।

शिक्षकों की पदोन्नति में देरी पर भड़का आक्रोश, बीएसए को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों की लंबे समय से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया में हो रही देरी को लेकर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने आवाज बुलंद की है। सोमवार को जिला महामंत्री पंकज कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने बीएसए शैलेश कुमार से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने पदोन्नति प्रक्रिया शीघ्र पूरी कराने के साथ वरिष्ठता और निर्धारित नियमों के अनुसार पारदर्शी तरीके से कार्यवाही सुनिश्चित करने की मांग की।महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षकों की पदोन्नति लंबे समय से लंबित होने के कारण उनमें असमंजस की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में विभाग को बिना अनावश्यक देरी किए नियमानुसार प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि सबसे पहले उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों, इसके बाद प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के सहायक अध्यापकों के पदों पर पदोन्नति की कार्यवाही की जाए।ज्ञापन में वरिष्ठता सूची का नियमानुसार प्रकाशन कराने, रिक्त पदों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने और सभी विकासखंडों में एक समान व्यवस्था लागू करने की मांग भी उठाई गई। पदाधिकारियों ने कहा कि पदोन्नति में किसी प्रकार की विसंगति या भेदभाव की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। पूरी प्रक्रिया निर्धारित नियमों और वरिष्ठता के आधार पर संपन्न कराई जाए।प्रतिनिधिमंडल ने काउंसलिंग की प्रक्रिया पूरी कर 30 नवंबर से पहले विद्यालय आवंटन की कार्यवाही संपन्न कराने पर भी जोर दिया, ताकि लंबे समय से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे शिक्षकों को राहत मिल सके।इस दौरान अभय सिंह, शिवपाल सिंह, राकेश पांडेय, सुरेंद्र गुप्ता, प्रवीण मिश्र, विनयकांत सहित अन्य

सम्पादकीय

फलतः जीवन की दुश्वारियों के बीच मानसिक शांति की तलाश में वे तीर्थयात्राओं पर निकल रहे हैं। यही वजह है कि अमेरिका व यूरोप में भी धार्मिक स्थलों, मठों और प्राचीन तीर्थ मार्गों पर जाने वाले युवाओं की संख्या में अप्रत्याशित उछाल देखा गया है। इनमें बड़ी संख्या उन युवाओं की भी है, जो खुद को धार्मिक नहीं मानते। वे डिजिटल ...

सुकून व ऊर्जा के लिए युवा मठ–मंदिरों में

पूरी दुनिया में भौतिकवाद से उपजी थकान और यांत्रिक जीवन से मुक्ति की चाह में युवा मन बेचौन है। वे शांति व नई ऊर्जा के लिए पवित्र रास्तों की शरण ले रहे हैं। भारत में आध्यात्मिक यात्राओं में 53 फीसदी हिस्सेदारी युवाओं की है। इनमें वे युवा शामिल हैं, जो ये यात्राएं सिर्फ मन की शांति व सुकून के लिए कर रहे हैं। वैसे, बड़ी संख्या उन युवाओं की भी है, जो ईश्वर के अस्तित्व को लेकर निश्चित नहीं हैं। लेकिन वे तीर्थयात्राओं पर निकल रहे हैं। यह ट्रेंड सिर्फ भारत में ही नहीं है, जो मूलतः गहरी धार्मिक आस्थाओं का देश है, बल्कि यूरोप व अमेरिका में भी है। वहां के युवा चर्च जा रहे हैं, मठों में जा रहे हैं और अन्य पवित्र रास्तों की ओर उन्मुख हो रहे हैं। दरअसल, मोबाइल और कंप्यूटर की संस्कृति ने उन्हें यह अहसास कराया है कि वे मशीनी पुर्जे बनते जा रहे हैं। उनका जीवन नीरस व यांत्रिक हो चला है। वे इन यात्राओं को मेंटल रिसेट की तरह ले रहे हैं। इनमें से साठ फीसदी युवा खुद की खोज से जुड़ी यात्रा कर रहे हैं। ये यात्राएं मानसिक स्वास्थ्य के लिए हैं। वे दैनिक जीवन की कृत्रिमता व तनाव से मुक्ति के लिए घड़ी व फोन से दूरी बना रहे हैं। साथ ही तनाव से बचने के लिए योग, विपश्यना और हिमालयी बौद्ध मठों का सहारा ले रहे हैं। इस सोच को दशकों पहले एप्पल के संस्थापक स्टीव जॉब्स ने महसूस किया था और मन की शांति के लिए उत्तराखंड के कैंची धाम पहुंचे थे। बाबा नीम करोली की अनुपस्थिति के बावजूद उन्होंने इस स्थान की आध्यात्मिक ऊर्जा को समझा। कालांतर में फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग भी कैंची धाम पहुंचे। बताते हैं कि स्टीव जॉब्स ने उन्हें मुश्किल वक्त में मन की शांति के लिए भारत आने की सलाह दी थी। हॉलीवुड के चर्चित अभिनेता रिचर्ड गेरे अक्सर हिमाचल स्थित आध्यात्मिक नगरी ध र्मशाला में दलाई लामा से मिलकर मानसिक शांति पाते हैं। सवाल यह है कि जब न तो सभी युवाओं में आस्था प्राथमिकता है और न ही ईश्वर से जुड़ाव, फिर वे तीर्थयात्राएं क्यों कर रहे हैं? दरअसल, लगातार डिजिटल होती दुनिया में युवा खुद को बेहद थका हुआ और दिशाहीन महसूस कर रहे हैं। वे इन तीर्थस्थलों पर पहुंचकर अपने भीतर के शोर को शांत कर रहे हैं। पैसे की चमक–दमक, दिखावे का जीवन और घोर उपभोक्तावादी सोच मनुष्य को भीतर से अशांत कर रही है। मनुष्य भले ही कितना ही आधुनिक व समृद्ध हो जाए, वह अपनी मूलभूत मानवीय प्रवृत्तियों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। ऐसे में ये तीर्थयात्राएं युवाओं को मानसिक रूप से तरोताजा बनाती हैं। यह ट्रेंड केवल भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में देखा जा रहा है। दरअसल, पूरे विश्व में व्याप्त आर्थिक विषमताएं और युवाओं को बड़े–बड़े सपने दिखाने वाला इंटरनेट व सोशल मीडिया उन्हें बेचौन कर रहा है। यथार्थ कठोर है। मनुष्य की क्षमताएं सीमित हैं। परिस्थितियां विकट हैं। ऐसे में सपनों और कठोर यथार्थ में साम्य स्थापित न हो पाना युवाओं को बेचौन कर देता है। कोरोना संकट ने युवाओं को भीतर तक हिलाया। अपनों की क्षति और आर्थिक स्थिति में गिरावट ने उन्हें उद्वेलित किया। फिर दुनिया के दो बड़े युद्धों और शक्तिशाली राष्ट्रों की निरंकुश व निर्मम नीतियों ने युवाओं को बेचौन किया। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सिमटे हैं। फलतः जीवन की दुश्वारियों के बीच मानसिक शांति की तलाश में वे तीर्थयात्राओं पर निकल रहे हैं। यही वजह है कि अमेरिका व यूरोप में भी धार्मिक स्थलों, मठों और प्राचीन तीर्थ मार्गों पर जाने वाले युवाओं की संख्या में अप्रत्याशित उछाल देखा गया है। इनमें बड़ी संख्या उन युवाओं की भी है, जो खुद को धार्मिक नहीं मानते। वे डिजिटल थकान व मानसिक तनाव से मुक्ति के लिए समुद्र तटों की बजाय शांत तीर्थस्थलों को चुन रहे हैं, जहां उन्हें बिना किसी अपराधबोध के शांतिपूर्वक और आराम से रहने का मौका मिलता है। सही मायने में व्यक्ति के मन को शांति और सुकून प्रकृति के सान्निध्य में और अपने मूल स्वभाव में जीने से ही मिलता है।

इतना क्रिकेट, कितना क्रिकेट! समय का करकट

क्रिकेट का संसार है कि उसे शांति से कोई लेना–देना नहीं। वहां तो हर गेंद पर युद्ध है और हर चौके पर विजय की घोषणा।ुबह 4 बजे उठो तो न्यूजीलैंड में टेस्ट मैच चल रहा है। दोपहर में आईपीएल, शाम को अंडर–19, रात को राइजिंग स्टार। कभी वनडे, कभी टेस्ट, कभी टी–20। दिन में क्रिकेट, रात में क्रिकेट। लगता है भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने सूरज और चांद से भी कह रखा है कि तुम लोग अपनी ड्यूटी निभाओ, हम अपनी निभा रहे हैं, 24×7। क्रिकेट अब खेल नहीं रहा, एक औद्योगिक उत्पादन बन चुका है। पहले खिलाड़ी मैदान में उतरते थे, अब लगता है कि मैचों की फैक्ट्री में शिफ्ट बदलती है। एक मैच खत्म होता है तो दूसरा टॉस के लिए तैयार मिलता है। दर्शक को यह भी याद नहीं रहता कि वह किस देश का मैच देख रहा है। बस बल्ला दिखना चाहिए, गेंद उड़नी चाहिए और कमेंटेटर को चिल्लाने का अवसर मिलना चाहिए। कल तक भारत–पाकिस्तान मैच के लिए लोग महीनों इंतजार करते थे। अब पाकिस्तान का नाम आते ही एक नया संदर्भ जुड़ जाता हैकृडोनाल्ड ट्रम्प! ट्रम्प कभी पाकिस्तान को लेकर बयान देते हैं, कभी मध्यस्थता की बात करते हैं, कभी दुनिया को समझाते हैं कि शांति कैसे स्थापित होनी चाहिए। उधर क्रिकेट का संसार है कि उसे शांति से कोई लेना–देना नहीं। वहां तो हर गेंद पर युद्ध है और हर चौके पर विजय की घोषणा। ट्रम्प की कूटनीति में भी शायद इतनी फॉर्मेट विविधता नहीं होगी, जितनी हमारे क्रिकेट में है। वहां कभी सीजफायर, कभी टैरिफ, कभी ट्रेड डील, कभी शांति वार्ता। यहां कभी पावरप्ले, कभी सुपर ओवर, कभी डीआरएस, कभी फॉलोऑन। अब भारत में समस्या दूसरी है। दर्शक को तय करना है कि इतने सारे मैचों में से कौन–सा मैच देखे। पाकिस्तान के साथ मैच हो तो भावनाएं उफान पर। न्यूजीलैंड से मैच हो तो रणनीति। ओमान में हो तो क्रिकेट के वैश्वीकरण पर चर्चा। अंडर–19 हो तो भविष्य की चिंता। आईपीएल हो तो निवेश, ब्रांडिंग और विज्ञापन की बहार। और दर्शक? वह बेचारा रिमोट लेकर बैठा है। एक चौनल पर टेस्ट मैच में बल्लेबाज तीन घंटे से एक रन बनाने की कोशिश कर रहा है। दूसरे पर टी–20 में तीन गेंदों में मैच पलट गया। तीसरे पर आईपीएल में खिलाड़ी की कीमत पर बहस चल रही है। अब तो क्रिकेट का इतना प्रसारण हो गया है कि कभी–कभी लगता है कि ट्रम्प अगर रूस–यूक्रेन के बीच कोई समझौता करवाने में सफल हो गए तो उसकी प्रेस कॉन्फ्रेंस भी किसी क्रिकेट चौनल पर ही होगी। बस एक अनुरोध है। क्रिकेट के इतने सारे मैचों के बीच कभी–कभी टीवी पर खबरें भी दिखा दिया कीजिए।

ऊर्जा सुरक्षा और खाद्य आपूर्ति को कीजिए मजबूत

वस्तुतः वैश्विक महंगाई अब केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि भू–राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और बदलती तकनीकी प्राथमिकताओं से जुड़ी व्यापक चुनौती बन चुकी है। इसका सबसे अधिक असर विकासशील देशों और निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के परिवारों पर पड़ता है, क्योंकि उनकी आय का बड़ा हिस्सा भोजन, ईंधन, आवास और परिवहन जैसी बुनियादी जरूरतों पर खर्च होता है...

वैश्विक महंगाई अब केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि भू–राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और बदलती तकनीकी प्राथमिकताओं से जुड़ी व्यापक चुनौती बन चुकी है। भू–राजनीतिक तनाव, ऊर्जा संकट और मौसम की मार के कारण वैश्विक महंगाई का दबाव बढ़ रहा है। भारत सहित दुनिया के कई देशों में इसका असर आम आदमी की रसोई और रोजमर्रा के खर्चों पर पड़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की अक्तूबर, 2026 की 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक महंगाई की औसत दर 2025 के 4.1 फीसदी से बढ़कर 2026 में 4.7 फीसदी रहने का अनुमान है। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में यह दर 5.7 फीसदी, जबकि विकसित अर्थव्यवस्थाओं में 3.2 फीसदी रह सकती है। पश्चिम एशिया में संघर्ष, होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की आपूर्ति में बाधा, रूस–यूक्रेन युद्ध और खाद्य उत्पादन पर मौसम के असर से दुनियाभर के बाजार प्रभावित हो रहे हैं। इससे आयात पर निर्भर देशों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। वर्ष 2007–08 में खाद्य और तेल संकट तथा 2021–23 में कोविड महामारी के बाद आपूर्ति शृंखला में आई बाधाओं ने वैश्विक महंगाई को तेज किया। वर्ष 2022 में विकसित अर्थव्यवस्थाओं में महंगाई 7.3 फीसदी और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में 9.6 फीसदी तक पहुंच गई। वस्तुतः महंगाई बढ़ने के पांच प्रमुख कारण हैं। इनमें सबसे बड़ी वजह भू–राजनीतिक संघर्ष है। रूस–यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व के संकट ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और आपूर्ति व्यवस्था को प्रभावित किया है। ब्लैक सी क्षेत्र से अनाज के निर्यात और समुद्री परिवहन में बाधाओं से खाद्य आपूर्ति प्रभावित होती है। इससे माल ढुलाई और कच्चे माल की लागत भी बढ़ती है। दूसरी बड़ी वजह तेल की बढ़ती कीमतें हैं। मध्य पूर्व के संकट से तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित होने पर कीमतें बढ़ती हैं। इसका असर पेट्रोल–डीजल तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवहन, बिजली, खाद्य उत्पादन और रोजमर्रा की वस्तुओं की लागत भी बढ़ जाती है। अर्थशास्त्र में इसे 'नेगेटिव सप्लाई शॉक' कहा जाता है। तीसरी वजह विकसित देशों में सरकारी खर्च का बढ़ना है। अमेरिका और यूरोप सहित कई विकसित अर्थव्यवस्थाओं में सरकारें विभिन्न योजनाओं पर अधिक खर्च कर रही हैं। इससे बाजार में मांग बढ़ती है और उत्पादन उसी अनुपात में नहीं बढ़ने पर वस्तुओं एवं सेवाओं की कीमतें ऊपर जाने लगती हैं। चौथी वजह जलवायु परिवर्तन है। सूखा, बाढ़, अत्यधिक गर्मी और अनियमित बारिश कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रही हैं। इससे खाद्यान्न की पैदावार घटने और आपूर्ति प्रभावित होने का खतरा है। मांग की तुलना में उपलब्ध ता कम होने पर खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ जाती हैं। पांचवीं वजह एआई में बढ़ता निवेश है। दुनिया की टेक कंपनियां एआई से जुड़ा बुनियादी ढांचा विकसित करने पर भारी खर्च कर रही हैं। इससे बिजली, तकनीकी उपकरणों और निर्माण संसाधनों की मांग बढ़ रही है। मांग आपूर्ति से अधिक होने पर कीमतें बढ़ने लगती हैं। अर्थशास्त्र में इसे 'डिमांड–पुल इन्फ्लेशन' कहते हैं। हालांकि, भारत के सामने भी महंगाई की गंभीर चुनौती है। ऊर्जा जरूरतों और औद्योगिक कच्चे माल के लिए आयात पर निर्भरता के कारण वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। कच्चा तेल महंगा होने से परिवहन और उत्पादन लागत बढ़ती है। वहीं, रुपये पर दबाव से आयात बिल भी बढ़ सकता है। ऐसे में महंगाई नियंत्रित रखते हुए विकास की रफ्तार बनाए रखना भारत के लिए बड़ी चुनौती होगी। वैश्विक स्तर पर भी खाद्य कीमतों का दबाव चिंता का विषय है। विश्व बैंक के अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2026 में खाद्यान्नों की कीमतों में 10 फीसदी और 2027 में अतिरिक्त 7 फीसदी वृद्धि होने की आशंका है। वहीं, खाद्य एवं कृषि संगठन के आंकड़ों के मुताबिक, अक्तूबर, 2026 में ग्लोबल फूड प्राइस इंडेक्स में 6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। दूसरी ओर, आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन के अक्तूबर 2026 के महंगाई संबंधी आंकड़ों में अर्जेंटीना 33.1 फीसदी के साथ पहले और तुर्किये 29.7 फीसदी के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इनके बाद लिथुआनिया 6. 7 फीसदी, कोलंबिया 6.3 फीसदी, भारत 6 फीसदी, आइसलैंड 5.9 फीसदी और बुल्गारिया 5.7 फीसदी की महंगाई दर के साथ क्रमशः तीसरे से सातवें स्थान पर हैं। आईएमएफ की 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक महंगाई दर 2026 के 4.7 फीसदी से घटकर 2027 में 4.1 फीसदी रहने का अनुमान है। हालांकि, महंगाई में यह संभावित गिरावट पश्चिम एशिया में तनाव कम होने, होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की आपूर्ति सामान्य होने और ब्लैक सी क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियां सुधरने पर निर्भर करेगी। वहीं, अल नीनो का प्रभाव बढ़ने से खाद्य पदार्थों की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है।



फिर खुले सेना में गोरखाओं की भर्ती की राह

मूल रूप से चार साल का कार्यकाल और केवल 25 फीसदी सैनिकों को ही नियमित करने वाले मश्वडल में बदलाव किया गया हैय अब पहले बैच के ज्यादातर सैनिकों को दो साल और नौकरी का मौका दिया जा रहा है। साथ ही, जो सैनिक तय मानकों पर खरे उतरेंगे, उनके लिए नियमित सेवा में शामिल होने का रास्ता भी और साफ कर दिया गया है। इन बदलावों से शर्तें अब उस स्थिति के ...

ऐतिहासिक रूप से, नेपाली गोरखा पिछली दो सदियों से भारत के लिए एक खड़ग भुजा और एक पुल के रूप में रहे हैं। गोरखा सैनिकों की बहादुरी और वीरता के किस्से मशहूर हैं। नेपाली प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह भारत यात्रा पर हैं। मार्च में पदभार संभालने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा है। भले ही परंपरा के अनुसार नेपाली प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को ही चुनते रहे हैं, लेकिन पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' और के.पी. शर्मा ओली ने क्रमशः 2008 और 2024 में पहला दौरा चीन का किया था। लेकिन शाह ने 'भारत–प्रथम' रीत को फिर से जीवित किया है, जो दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार का संकेत है। भारत को अवसर का इस्तेमाल सैन्य क्षमताओं और क्षेत्रीय जुड़ाव को हुए नुकसान की भरपाई हेतु करना चाहिए, जब 2022 में 'अग्निपथ' योजना शुरू होने के बाद, भारतीय सेना में नेपाली नागरिकों की भर्ती रोक दी गई थी। अगर भारत को एक विश्वसनीय ताकत के रूप में अपनी पहचान बनानी है, तो उसे सबसे पहले अपने



पड़ोस को भरोसे में लेना होगा। नेपाल से ज्यादा महत्वपूर्ण कोई पड़ोसी नहीं हो सकता, क्योंकि भौगोलिक रूप से यह दो एशियाई महाशक्तियों कृभारत और चीनकृ के बीच एक 'बफर' यानी मध्यवर्ती क्षेत्र है। ऐतिहासिक रूप से, नेपाली गोरखा पिछली दो सदियों से भारत के लिए एक खड़ग भुजा और एक पुल के रूप में रहे हैं। गोरखा सैनिकों की बहादुरी और वीरता के किस्से मशहूर हैं। औपनिवेशिक काल में भी इसे मान्यता मिली थीय अंग्रेजों ने इन जांबाज लोगों को लेकर गोरखा रेजिमेंट बनाई थी। गोरखा रेजिमेंट के सैनिकों को 26 'विक्टोरिया क्रॉस' मिलेकृ 13 ब्रिटिश अधिकारियों को और 13 गोरखा सैनिकों को। 1911 तक तो भारतीय सैनिक 'विक्टोरिया क्रॉस' पाने के योग्य भी नहीं थे। केवल दो विश्व युद्धों के दौरान ही, भारतीय सैनिकों को मिले कुल 39 'विक्टोरिया क्रॉस' में से 12 गोरखा सैनिकों के हिस्से रहे। 1947 के बाद से, गोरखा रेजिमेंटों की संरचना भारतीय और नेपाली नागरिकों का मिला–जुला स्वरूप रही है। इन रेजिमेंटों ने तीन परमवीर चक्र (अब तक दिए गए कुल 21 में से) जीते हैं रू कैप्टन गुरबचन सिंह सलारिया (कांगो, 1961), मेजर धन सिंह थापा (लद्दाख, 1962) और लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे (कारगिल, 1999)। इसके अलावा, इन्हें 33 महावीर चक्र और 84 वीर चक्र भी मिले हैं। भारतीय सेना की किसी अन्य रेजिमेंट ने युद्ध और शांति के समय गोरखाओं समान वीरता का प्रदर्शन नहीं किया है। रणनीतिक रूप से, गोरखाओं ने भारत को इसकी सबसे बेहतरीन माउंटेन इन्फैंट्री दी है कृ सेना की 385 रेगुलर इन्फैंट्री बटालियनों में से 39 बटालियनें 7 गोरखा रेजिमेंट्स की हैं। सेना में पूर्ण रूप से गोरखा मूल के फौजियों वाली आर्टिलरी रेजिमेंट भी है, जिसे '64 फील्ड रेजिमेंट' कहा जाता है। इसका गठन अक्तूबर 1962 में हुआ था और एक महीने बाद ही बोमडिला में इसे पहली बार युद्ध का अनुभव मिला। 1971 के बांग्लादेश युद्ध के दौरान, गोरखा गनर्स ने गोबिंदगंज और बोगरा में 75ध्24 पैक होवित्जर तोपों के जरिए अपनी अहम मौजूदगी दर्ज कराई थी।

नेपाल में लगभग 1.25 लाख पूर्व सैनिक और उनके परिवार (विधवाएं) भारत से पेंशन पाते हैं। यह राशि 600 मिलियन डॉलर से अधिक है, जो नेपाल की जीडीपी का 3 प्रतिशत हिस्सा है। ये पूर्व सैनिक प्रत्येक पहाड़ी जिले में भारत के पक्ष में एक मजबूत उपस्थिति हैं। यही कारण है कि सबसे गंभीर राजनीतिक संकट, जैसे कि 1989 की नाकेबंदी और 2020 के नक्शे से जुड़े विवाद होने के बावजूद, दोनों देशों के बीच सैन्य संबंध कायम रहे। दोनों देशों के बीच एक विशिष्ट परस्पर परंपरा के तहत एक देश के सेना प्रमुख को दूसरे देश की सेना का 'मानद जनरल' माना जाता है। ऊर्जा सुरक्षा और खाद्य आपूर्ति को कीजिए मजबूतः लेकिन 'अग्निपथ' योजना ने इस महत्वपूर्ण पुल को तोड़ दिया। काठमांडू का तर्क है कि चार साल की सेवा और केवल 25 फीसदी सैनिकों को ही स्थायी सेवा में रखने का प्रावधान, 1947 के त्रिपक्षीय समझौते का उल्लंघन है। इस समझौते में नेपाली नागरिकों की भर्ती, सेवा और उनके पुनर्वास का वादा किया गया था। परिणामस्वरूप, 2020 (जब कोविड–19 महामारी शुरू हुई थी) के बाद से नेपाल के किसी भी व्यक्ति की भर्ती भारतीय सेना में नहीं हुई है। लगभग 15,000 सैनिक सेवानिवृत्त हो चुके हैं। भारतीय सेना में भर्ती न हो पाने के कारण, नेपाल के युवा पहले ही रूस जा चुके हैं। कुछ लोगों ने तो यहां तक कहा है कि अगर उन्हें अच्छी तनख्वाह मिले, तो वे चीन की 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी' में भी शामिल हो सकते हैं। वैसे चीन को ऐसा करने की जरूरत भी नहीं है। उसे बस प्रशिक्षण और स्कॉलरशिप देने की जरूरत है, साथ ही यह विचार दिमाग में भरना है कि भारत ने गोरखाओं से किनारा कर लिया है। अगर 5 से 10 साल तक ऐसा ही चलता रहा, तो हिमालय का यह 'बफर जोन' एक 'ब्रिजहेड' (बैरियों के लिए एक मजबूत आधार) में बदल सकता है। इसके विपरीत, ब्रिटेन ने वह बात समझ ली है जिसे शायद भारत ने भुला दिया। पिछले साल, लार्किहल में 'किंग्स गोरखा आर्टिलरी' का गठन किया गया कृ यह ब्रिटिश सेना की पहली ऐसी विशेष रूप से समर्पित यूनिट है, जिसमें भर्ती सीधी नेपाल से होनी है। जबकि भारत नेपाल से आने वाले गोरखाओं के लिए अपने दरवाजे बंद कर रहा है। बालेंद्र शाह की यात्रा सुधार का एक मौका प्रदान करती है। भारतीय सेना दो अलग–अलग भर्ती मॉडल नहीं चला सकतीकृ एक भारतीय नागरिकों के लिए और दूसरा नेपाली नागरिकों के लिए कृ जब रैंक, वेतन, अनुशासन और करियर में आगे बढ़ने के मौकों में समानता भी बनाए रखने का हो। यह एक बड़ी संस्थागत बाधा है। हालांकि, 'अग्निपथ योजना' में हाल ही में किए गए बदलावों से कुछ व्यावहारिक गुंजाइश बनी है।



जहाज में झांका तो हुआ बवाल, फिर आई सीक्रेट कॉल, कैसे बाल–बाल बचा भारत!

समंदर के बीचों–बीच एक ऐसा खतरनाक जहाज पकड़ा गया है जो अगर नहीं पकड़ा जाता तो भारत बहुत बड़ी मुश्किल में फंस जाता। यह भगवान का शुक्र है कि किसी अज्ञात ताकत ने करोड़ों भारतीयों को बचा लिया है। हैरानी की बात देखिए कि कई लोग तो अब यह दावा कर रहे हैं कि यह अज्ञात ताकत कहीं भारत ही तो नहीं है। दरअसल इंडोनेशिया की नौसेना ने चीन से बांग्लादेश जा रहे एक जहाज को दबोच लिया है। बांग्लादेश जा रहे इस चीनी जहाज में 405 टन सोडियम पर क्लोराइड मिला है। यह खतरनाक केमिकल अगर बांग्लादेशी जिहादियों के हाथ लग जाता, तो आप कल्पना भी नहीं कर सकते कि भारत को कितना नुकसान होता। इंडोनेशियाई नौसेना के एक अधिकारी के मुताबिक जब्त किए गए केमिकल से करीब 100 मिसाइलें बनाई जा सकती हैं।

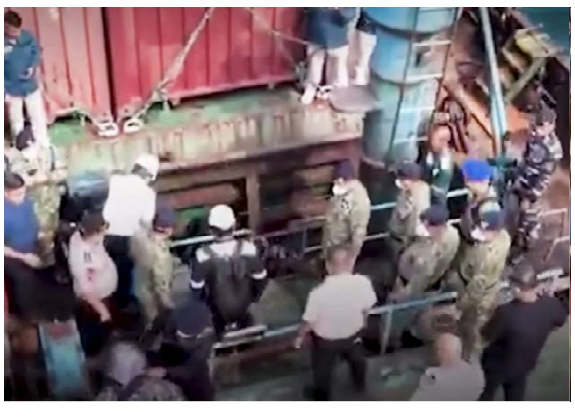

इस जहाज से लाखों बिना रजिस्ट्रेशन वाले 4ळ सिम कार्ड्स भी मिले हैं। यानी भारत के खिलाफ एक बहुत बड़ा षड्यंत्र होने वाला था। मगर किसी ने इंडोनेशिया की नौसेना को यह खबर दे दी कि जब यह जहाज आपके देश के पास आए तो उसे दबोच लेना।

बहरहाल अब इस बात की जांच की जा रही है कि बांग्लादेश में यह सामान चीन से किसने मंगवाया था। हैरानी की बात देखिए कि चीन का यह जहाज बांग्लादेश के मोंगला बंदरगाह पर आने वाला था। बांग्लादेश का मोंगला बंदरगाह भारतीय सीमा से सिर्फ 80 कि.मी. दूर स्थित है। यह बांग्लादेशी जिहादी ना जाने 100 मिसाइलें बनाकर क्या करना चाहते थे। बहरहाल अब कई लोग दावा कर रहे हैं कि इंडोनेशिया की नौसेना को यह अज्ञात इंफॉर्मेशन हो सकता है भारत ने दी हो। क्योंकि भारत पहले चीन के ऐसे कई जहाजों को खुद दबोच चुका है। इसीलिए भारत की पैनी नजर चीन के जहाजों पर लगी रहती है। 2024 में भारत ने इसी एक चीनी जहाज को पकड़ा था। उस जहाज में भी ढाई हजार किलो से ज्यादा एक खतरनाक केमिकल था। जिसका इस्तेमाल आंसू गैस के गोले बनाने और प्रदर्शन कर रहे लोगों को तड़पाने के लिए किया जाता था। लेकिन ऐन वक्त पर भारतीय नौसेना ने इस चीनी जहाज को पाकिस्तान जाने से रोक दिया।

पाकिस्तान इस खतरनाक केमिकल का इस्तेमाल आजादी मांग रहे पीओके और बलूचिस्तान के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ करने वाला था। मगर भारत ने पीओके और बलूचिस्तान के लोगों को बचा लिया। इसी तरह से 3 फरवरी 2020 को भारत ने एक और चीनी जहाज को पाकिस्तान जाने से रोक दिया था। उस जहाज में मिसाइल के हिस्से बनाने में इस्तेमाल होने वाली एक बड़ी मशीन मिली थी। 2025 में ऐसे तीन और चीनी जहाज पकड़े गए, जो ईरान को मिसाइल और बम बनाने का केमिकल पहुंचा रहे थे। इसके अलावा 2026 में तो सऊदी अरब पर हमला करने वाले हूं विद्रोहियों तक चीनी जहाज रॉकेट मोटर के हिस्से और मिसाइल को दिशा देने वाले पुरजे पहुंचाने वाला था। मगर यमन की सरकार ने उस चीनी जहाज को पकड़ लिया।

भारत के खिलाफ हैगली ओवल में बेहतर उछाल की उम्मीद, डैरिल मिचेल ने पिच को लेकर कही बात

बेसिन रिजर्व की पाटा पिच पर पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहने के बाद न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डैरिल मिचेल को उम्मीद है कि भारत के खिलाफ हैगली ओवल में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में बल्ले और गेंद के बीच बेहतर मुकाबला होगा क्योंकि यहां पिच से अधिक उछाल मिलने की संभावना है। मिचेल ने नाबाद 49 रन बनाकर पहला टेस्ट ड्रॉ कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि बेसिन रिजर्व की पिच ने उम्मीद के मुताबिक व्यवहार नहीं किया। मिचेल ने शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले कहा, ''बेसिन रिजर्व की पिच प्रकृति ऐसी है कि वह शुरुआत में आमतौर पर काफी हरी–भरी दिखती है। हमें उम्मीद नहीं थी कि यह इतनी धीमी होगी और इस पर गेंद नीचे रहेगी। अब हम हैगली ओवल में खेलेंगे और मुझे उम्मीद है कि यहां थोड़ी उछाल होगी।'' मिचेल ने पहले टेस्ट मैच के अंतिम दिन भारतीय गेंदबाजों के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा, ''भारतीय

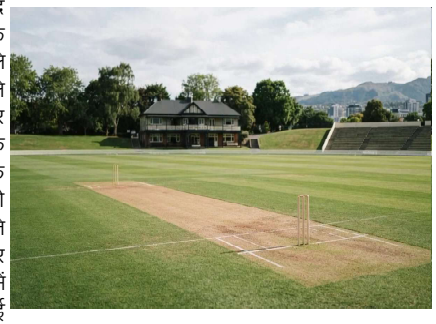

गेंदबाजों ने पूरे दिन भर अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और कड़ी मेहनत की। इससे गेंदबाजों के शरीर पर काफी दबाव पड़ता है और यह एक बड़ी श्रृंखला भी है। जब उन्होंने हाथ मिलाने (मैच ड्रॉ समाप्त करने) की पेशकश की तो हमने खुशी के साथ इसे स्वीकार किया।'' उनका मानना घ्है कि क्राइस्टचर्च के मैदान से अच्छी तरह से परिचित होना न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगा।

मिचेल ने कहा, ''हममें से कई खिलाड़ियों ने पिछले एक दशक में हैगली ओवल में काफी क्रिकेट खेली है, इसलिए हम जानते हैं कि यहां की परिस्थितियां कैसी होंगी। टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए यह एक खूबसूरत मैदान है और हम यहां खेलने के लिए उत्सुक हैं।'' इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि ड्रॉ टेस्ट मैच में दोनों टीमों के लिए कुछ सकारात्मक पहलू रहे और वह उससे सीख लेने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा, ''पहले टेस्ट में दोनों टीम के लिए कुछ सकारात्मक बातें रही जिससे वह प्रेरणा लेने की कोशिश करेंगी। हम लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं। मैं जानता हूं कि गेंदबाजों को थोड़ा थकान महसूस हुई होगी लेकिन अब उन्हें कुछ दिन का आराम मिल गया है और वह फिर से खेलने के लिए तैयार हो जाएंगे।''

प्रो रेसलिंग लीग का छठा सत्र 3 जनवरी से केडी जाधव स्टेडियम में, 30 नवंबर को नीलामी

प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) के छठे सत्र के कार्यक्रम में संशोधन किया गया है और अब इसका आयोजन तीन से 19 जनवरी तक यहां के केडी जाधव स्टेडियम में किया जाएगा। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की देखरेख में आयोजित किए जाने वाले पीडब्ल्यूएल ने यह भी घोषणा की कि आगामी सत्र के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 30 नवंबर को मुंबई में होगी। कार्यक्रम को विश्व कुश्ती की सर्वोच्च संस्था यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) के कैलेंडर में किए गए बदलाव के बाद संशोधित किया गया है, जिससे कि इस लीग पर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम का प्रभाव नहीं पड़े तथा भारत और विदेशों के सर्वश्रेष्ठ पहलवान इसमें भाग ले सकें।

नीलामी में ओलंपिक और विश्व चौम्पियनशिप पदक विजेताओं सहित दुनिया के कुछ शीर्ष पहलवानों के शामिल होने की संभावना है। इस बार नीलामी में रिकॉर्ड बोली लगने की संभावना है। पिछली नीलामी में जापानी दिग्गज युई सुसाकी की सबसे बड़ी बोली लगी थी।

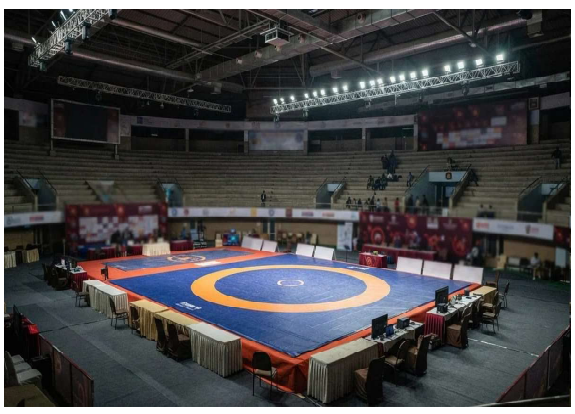

उन्हें 60 लाख रुपये में खरीदा गया था जो पीडब्ल्यूएल का रिकॉर्ड है। भारतीय खिलाड़ियों में अमन सहरावत, अंतिम पंघाल और सुजीत कलकल पर सबसे बड़ी बोली लगी थी। इनमें से प्रत्येक ने 50 लाख रुपये से अधिक की रकम हासिल की। पीडब्ल्यूएल के छठे सत्र में छह फ्रेंचाइजी टीमें टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल्स, हरियाणा थंडर, दिल्ली दंगल वॉरियर्स, महाराष्ट्र केसरी, पंजाब रॉयल्स और यूपी डोमिनेटर्स खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। यह प्रतियोगिता नौ ओलंपिक भार वर्गों में आयोजित की जाएगी। इसमें पुरुष वर्ग में 57 किलोग्राम, 65 किलोग्राम, 74 किलोग्राम, 86 किलोग्राम और 125 किलोग्राम तथा महिला वर्ग में 53 किलोग्राम, 57 किलोग्राम, 62 किलोग्राम और 76 किलोग्राम शामिल हैं।

शकागो मेयर ब्रैंडन जॉनसन ने दिवाली को मान्यता देने का औपचारिक ऐलान किया

वाशिंगटन। शिकागो के मेयर ब्रैंडन जॉनसन ने दिवाली को मान्यता देते हुए एक घोषणा जारी की है और शहर के निवासियों से उन विविध सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं का उत्सव मनाने का आग्रह किया है जो आस पास के क्षेत्र को समृद्ध बनाती हैं और शहर में एकता को बढ़ावा देती हैं। जॉनसन ने सोमवार को यह घोषणा जारी करते हुए कहा कि यह त्योहार हिंदू और जैन समुदायों के लिए गहरा आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व रखता है जो इस त्योहार को अपने विशिष्ट रीति–रिवाजों और प्रथाओं के अनुसार मनाते हैं। शिकागो शहर सहित कुक काउंटी के आयुक्त मंडल ने भी इसी तरह की घोषणा जारी की।



यह घोषणा ऑरोरा स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर में एक किशोर द्वारा सामूहिक गोलीबारी के प्रयास के कुछ सप्ताह बाद आई है। पिछले सप्ताह, शिकागो स्थित एफबीआई के क्षेत्र कार्यालय के अधिकारियों ने हिंदू समुदाय के सदस्यों से मंदिर सुरक्षा, घृणा अपराध की शिकायत दर्ज कराने और पूजा स्थलों एवं त्योहारों को लेकर जागरूकता बढ़ाने के मुद्दों पर चर्चा की। 'हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन' संगठन की कार्यकारी निदेशक सुहाग शुक्ला ने एक बयान में कहा, ''हम ऑरोरा और नेपरविले पुलिस विभागों एवं एफबीआई के आभारी हैं कि उन्होंने हमसे और 30 स्थानीय हिंदू संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की।'' एफबीआई अधिकारियों ने 20 नवंबर को हिंदू समुदाय के सदस्यों से संपर्क किया था। इससे एक दिन पहले अलेक्जेंड्रोस पापोराकिस नामक एक किशोर पर श्री वेंकटेश्वर मंदिर पर हमले की साजिश रचने के आरोप में अभियोग लगाया गया था। शिकागो के मेयर के घोषणापत्र में उल्लेख किया गया है कि सिख समुदाय भी इसी त्योहार के दौरान स्वतंत्रता और मुक्ति के आदर्शों के सम्मान में बंदी छोड़ दिवस मनाते हैं। जॉनसन ने कहा, ''शिकागो शहर आसपास के इलाकों में मनाई जाने वाली कई सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं का स्वागत करता है और मानता है कि हमारी विविधताओं का सम्मान करना आपसी समझ को बढ़ावा देता है, सामुदायिक संबंधों को मजबूत करता है और एक समावेशी शहर के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है, जहां सभी निवासियों को महत्व दिया जाता है।''

शेनझोउ–24 मिशन से चीन के स्पेस स्टेशन जाएगा पहला विदेशी एस्ट्रोनॉट, पाक नागरिक शामिल

चीन ने इस सप्ताह प्रक्षेपित होने वाले अपने अंतरिक्ष यान शेनझोउ–24 के चालक दल की मंगलवार को घोषणा की। इस मिशन के तहत एक पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्री चीन के अंतरिक्ष



स्टेशन पर पहुंचने वाला पहला विदेशी अंतरिक्ष यात्री बनेगा। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, चीन की मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी ने घोषणा की कि पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्री मुहम्मद जीशान अली अपने चीनी सहयोगियों तांग होंगबो और वू यी के साथ इस मिशन में शामिल होंगे। अंतरिक्ष यान को बुधवार सुबह उत्तर–पश्चिमी चीन के जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से रवाना किया जाना है। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार, पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्री पेलोड विशेषज्ञ के रूप में अल्पकालिक मिशन पर जाएंगे। कक्षा में रहने के दौरान वह मुख्य रूप से चीन और पाकिस्तान के बीच सहयोग के तहत होने वाले प्रयोगों के साथ–साथ दैनिक गतिविधियों की जिम्मेदारी संभालेंगे। सीसीटीवी ने बताया कि उनका मिशन जैव प्रौद्योगिकी और पदार्थों के क्षेत्र में चार वैज्ञानिक परियोजनाओं को पूरा करना है। वह प्रकाश संश्लेषण करने वाले सूक्ष्मजीवों पर कक्षा में एक प्रयोग भी करेंगे। प्रसारक के मुताबिक, अल्पकालिक मिशन पूरा करने के बाद वह शेनझोउ–23 अंतरिक्ष यान से पृथ्वी पर लौटेंगे। यह प्रक्षेपण चीन के मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम के इतिहास में चीनी और विदेशी अंतरिक्ष यात्रियों की पहली संयुक्त अंतरिक्ष उड़ान होगी। यह मिशन फरवरी 2025 में चीन और पाकिस्तान के बीच हुए समझौते का हिस्सा है। सीसीटीवी के अनुसार, पहली बार अंतरिक्ष यात्रा पर जा रहे वू यी और तांग के अन्य सहयोगियों के विपरीत तांग होंगबो इससे पहले दो अंतरिक्ष मिशनों में हिस्सा ले चुके हैं। वह चीन के तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन पर तीन बार पहुंचने वाले पहले अंतरिक्ष यात्री बनेंगे। चीन वर्ष 2030 तक पहली बार मानवयुक्त चंद्रमा अभियान के तहत अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा की सतह पर उतारने की तैयारी कर रहा है। अमेरिका को चीन का प्रमुख अंतरिक्ष प्रतिद्वंद्वी माना जाता है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने वर्ष 2028 में अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा की सतह पर उतारने का लक्ष्य रखा है।

Greece के एक्रोपोलिस में 1874 का ऐतिहासिक संग्रहालय जीर्णोद्धार के बाद फिर खुला

यूनान की एक्रोपोलिस पहाड़ी पर 1874 से स्थित देश का आधुनिक काल का सबसे पुराना संग्रहालय व्यापक जीर्णोद्धार और आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से लैस होने के बाद सोमवार को फिर से आम लोगों के लिए खोल दिया गया। पत्थरों से बनी इस छोटी इमारत पर अक्सर पर्यटकों का ध्यान नहीं जाता। यह संग्रहालय 2007 से आम लोगों के लिए बंद था।

इसके तीन साल बाद यूनान गंभीर आर्थिक संकट की चपेट में आ गया था। संस्कृति मंत्री लीना मेंदोनी ने बताया कि सात साल तक चले जीर्णोद्धार कार्य पर 62 लाख यूरो (करीब 68 लाख अमेरिकी डॉलर) खर्च हुए। यह राशि सरकार से और निजी दान के जरिए मिली।

संग्रहालय में अब ऐसी प्राचीन कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी, जिन्हें पहले कभी सार्वजनिक रूप से नहीं दिखाया गया। इसके अलावा डिजिटल प्रदर्शनियों के जरिए स्मारकों के 2,500 साल पुराने इतिहास को दर्शाया जाएगा। यहां एक विशेष दीर्घा भी बनाई गई है, जहां संस्कृति मंत्रालय के विशेषज्ञ प्राचीन वस्तुओं के संरक्षण और जीर्णोद्धार का काम करेंगे। इस संग्रहालय की स्थापना 1874 में हुई थी। आधुनिक यूनान को कई दशक पहले स्वतंत्रता मिलने के बाद यह उद्देश्यपूर्ण तरीके से बनाया गया देश का पहला संग्रहालय था। वर्ष 2007 में इसे बंद कर दिया गया था और बाद में प्रशासनिक भवन के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा।

उस समय क्रेन की मदद से यहां की प्रसिद्ध मूर्तियों और अन्य बेशकीमती कलाकृतियों को सावधानीपूर्वक पहाड़ी के नीचे स्थित नए एक्रोपोलिस संग्रहालय में पहुंचाया गया था। मेंदोनी ने कहा, हमारे लिए यह अकल्पनीय और लगभग अपमानजनक था कि इतने ऐतिहासिक महत्व वाली और बेहद विशिष्ट स्थान पर स्थित इस इमारत को कार्यालयों और भंडारगृहों में बदल दिया जाए। उन्होंने कहा, इसलिए हमने फैसला किया कि संग्रहालय को उसके मूल उद्देश्य के अनुरूप दोबारा खोला जाना चाहिए।

एक्रोपोलिस पर स्थित पार्थेनन और अन्य मंदिर यूनान के सबसे अधिक देखे जाने वाले प्राचीन स्थलों में शामिल हैं। पिछले साल यहां 46 लाख से अधिक पर्यटक आए थे। प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस ने सोमवार को संग्रहालय के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया और इसे यूनान की सांस्कृतिक विरासत के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

इस अवसर पर उन्होंने लंदन स्थित ब्रिटिश संग्रहालय में रखी पार्थेनन की मूर्तियों को यूनान वापस लाने की लंबे समय से चली आ रही मांग भी दोहराई।

प्रियांश आर्य के रिकॉर्ड 181 रन से दिल्ली ने तमिलनाडु को 116 रन से रौंदा

दिल्ली ने कप्तान प्रियांश आर्य की 68 गेंदों में खेली गई 181 रन की तूफानी पारी की मदद से मंगलवार को यहां सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में तमिलनाडु को 116 रन से करारी शिकस्त दी। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद आर्य की शानदार पारी की बदौलत पांच विकेट पर 275 रन बनाए। आर्य का स्कोर पुरुष टी20 क्रिकेट में किसी भारतीय खिलाड़ी का सर्वोच्च व्यक्तिगत और कुल मिलाकर दूसरा सर्वोच्च स्कोर है।

आर्य ने 250 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उनकी पारी में 19 छक्के और सात चौके शामिल हैं। उन्होंने पुरुषों के टी20 मैच की एक पारी में सबसे अधिक छक्के लगाने के रिकॉर्ड को भी बराबर किया।

वह अब न्यूजीलैंड के फिन एलन के साथ इस सूची में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। इसके बाद दिल्ली के स्पिनरों ने अपना कमाल दिखाया और तमिलनाडु को 18.3 ओवर में 159 रन पर आउट कर दिया। पिछले मैच में अर्धशतक लगाने वाले 25 वर्षीय आर्य 18 गेंदों में 50 रन तक पहुंचे जिससे दिल्ली पावरप्ले में 94 रन बनाने में सफल रहा। इस सलामी बल्लेबाज ने आर सिलंबरासन के पारी के चौथे और साई किशोर के पांचवें ओवर में 22–22 रन बनाकर तमिलनाडु के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया। आर्य ने अपना आक्रामक खेल जारी रखा और केवल 36 गेंदों में टी20 क्रिकेट में अपना तीसरा शतक पूरा किया। इसके बाद उन्होंने 60 गेंदों में 150 रन का आंकड़ा पार किया। एम सिद्धार्थ ने उन्हें पारी के अंतिम ओवर में आउट किया। आर्य दक्षिण अफ्रीका के लुआंड्रे गिल्बर्ट प्रिटोरियस के 188 रन के विश्व रिकॉर्ड से केवल सात रन पीछे रह गया। प्रिटोरियस ने पिछले महीने सीएसए प्रो20 कप में यह उपलब्धि हासिल की थी।

यही नहीं आर्य ने किरण नवगिरे के 2021 में महिला सीनियर टी20 ट्रॉफी में 76 गेंदों पर बनाए गए 162 रन के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ा और इस तरह से वह टी20 क्रिकेट में एक पारी में सर्वोच्च स्कोर बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए। उन्होंने पुरुष टी20 क्रिकेट में किसी भारतीय खिलाड़ी के सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर के केएल राहुल के पिछले रिकॉर्ड को भी तोड़ा। राहुल ने इसी साल अप्रैल में आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए 67 गेंदों पर नाबाद 152 रन बनाए थे। विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी तमिलनाडु की टीम के स्पिन आक्रमण के सामने लड़खड़ा गई। दिल्ली की तरफ से दिग्वेश राठी ने 37 रन देकर चार, सुयश शर्मा ने 21 रन देकर तीन और मयंक रावत ने 46 रन देकर एक विकेट लिया। तमिलनाडु की तरफ से तुषार रहेजा ने 31 और शाहरुख खान ने 30 रन बनाए।

मतदाता जोड़ो अभियान के अंतर्गत संगठन की मजबूती और आगामी कार्ययोजना पर हुआ मंथन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री एवं जनपद बस्ती के प्रभारी मंत्री माननीय सूर्य प्रताप शाही ने सर्किट हाउस में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक बैठक की। बैठक में जिला प्रभारी क्षेत्रीय महामंत्री डॉ. सत्येंद्र सिन्हा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अमृत कुमार वर्मा ने किया। बैठक में संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रियता, आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में श्मतदाता जोड़ो अभियानश पर विशेष चर्चा की गई। यह अभियान 16 दिसंबर 2026 तक चलेगा। इसके अंतर्गत युवाओं, महिलाओं एवं अन्य पात्र नागरिकों को जोड़कर उनका फॉर्म–6 भरवाया जाएगा, ताकि उन्हें मतदाता सूची में सम्मिलित कराया जा सके। प्रभारी मंत्री ने कार्यकर्ताओं से अभियान को बूथ



स्तर तक प्रभावी ढंग से चलाने और पात्र व्यक्तियों तक इसकी जानकारी पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री ने संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन कार्यकर्ताओं की मेहनत, समर्पण और सामूहिक प्रयासों के आधार पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी से अपने संगठनात्मक दायित्वों का पूरी निष्ठा, अनुशासन और सक्रियता के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनें तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने में सहयोग करें।बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय, बूथ स्तर तक संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी बनाने तथा पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने पर भी चर्चा हुई। प्रभारी मंत्री ने संगठनात्मक एकजुटता और आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए पार्टी के निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने पर बल दिया। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठनात्मक विषयों पर अपने विचार भी रखे। इस अवसर पर हरैया विधायक अजय सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष किसान मोर्चा रामानन्द नन्हे, विधानसभा प्रभारी राम ललित चौधरी, राकेश मिश्र, प्रत्युष विक्रम सिंह, वीरेन्द्र गौतम, अखण्ड प्रताप सिंह, दिलीप पाण्डेय, ब्रह्मदेव यादव, शिवानी सिंह, प्रेम प्रकाश चौधरी, अभिषेक कुमार गौतम, जिला मंत्री राकेश शर्मा, सुनील सिंह, राजेन्द्र राजभर, सुरेन्द्र कुमार चौधरी, विनय सिंह भारद्वाज, प्रदीप निषाद, नीलम गौड़, कोषाध्यक्ष राधेश्याम कमलापुरी, नीरज त्रिपाठी, मंजू श्रीवास्तव, वरूण पांडे, विनय यादव, राम सूरत गौड़, प्रभु दयाल वर्मा, रवि चंद पांडे, मनोज ठाकुर, नगेंद्र सिंह सिन्कू, विमलेंद्र सिंह, सतेन्द्र सिंह भोलू, विजय पांडे राजू, राजकुमार शुक्ल, दिव्य प्रकाश, राजेश त्रिपाठी, ओमकार सिंह, मनोज कुमार पाठक, लवकुश शुक्ला, गंगेश सिंह, राजेश कमलापुरी, गौरव मणि तिवारी, गिरिजेश यादव, निरंकुश शुक्ला, विजय भान सिंह, सुजीत सोनी, सुधाकर विक्रम सिंह, सुरेश भट्ट, सर्वजीत भारती, शिव प्रसाद चौधरी, पवन पाण्डे अंकित, संजय कुमार चौरसिया, वेद प्रकाश त्रिपाठी, दुर्गेश अग्रहरि, शिव चरन जयसवाल, तारक जयसवाल, आदित्य,राज कपूर, सचिन सिंह, जिला मीडिया प्रभारी,अजय पाल सिंह , सरोज मिश्रा,उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री सतीश चन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में जनपदीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न

बलरामपुर। बलरामपुर जिले में खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति विभाग, उत्तर प्रदेश एवं जनपद के प्रभारी मंत्री सतीश चन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में जनपदीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जनपद के माननीय मा० जनप्रतिनिधिगण, जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन, पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक के दौरान माननीय प्रभारी मंत्री ने जनपद में संचालित विभिन्न विकास कार्यों, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विभागीय कार्यों की प्रगति के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।माननीय प्रभारी मंत्री ने कहा कि शासन की मंशानुरूप जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध ढंग से उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए।बैठक में माननीय जनप्रतिनिधिगण द्वारा जनपद के



विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित विकास कार्यों, आधारभूत सुविधाओं एवं जनसमस्याओं से जुड़े विषयों को रखा गया। माननीय प्रभारी मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए विषयों पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों एवं समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। जनसमस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करें।माननीय प्रभारी मंत्री जी ने शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य करते हुए विभागीय योजनाओं एवं विकास कार्यों में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी, विधायक बलरामपुर सदर पल्टूराम, विधायक तुलसीपुर कैलाश नाथ शुक्ला, विधायक उतरौला राम प्रताप वर्मा, निवर्तमान विधायक शैलेश कुमार सिंह शैलू, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बलरामपुर धीरेंद्र प्रताप सिंह श्धीरूश, जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा , जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन, पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी का बलरामपुर में प्रथम आगमन पर भव्य स्वागत, चारों विधानसभा क्षेत्रों में की संगठनात्मक बैठकें

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी के जनपद बलरामपुर में प्रथम आगमन पर बलरामपुर बॉर्डर स्थित पावन बिजलीपुर मंदिर पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। जनपद आगमन के दौरान राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी जी ने उतरौला,गैसड़ी,तुलसीपुर एवं बलरामपुर सदर विधानसभा क्षेत्रों में अलग–अलग संगठनात्मक बैठकें कीं। इन बैठकों में पूर्व एवं वर्तमान ाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, मंडल अध्यक्षों, बूथ अध्यक्षों तथा पार्टी के वरिष्ठ एवं समर्पित कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। उन्होंने संगठन की वर्तमान गतिविधियों,



कार्यप्रणाली और आगामी कार्यक्रमों की जानकारी लेते हुए कार्यकर्ताओं से व्यक्तिगत रूप से भेंट कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को भी सुना।इस दौरान जनपद के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सतीश शर्मा जी ने भी अलग–अलग बैठकों में सहभागिता की। राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी एवं प्रभारी मंत्री सतीश शर्मा ने संगठन की मजबूती के लिए नियमित बैठकें आयोजित करने,पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को निरंतर क्षेत्रीय प्रवास करने तथा बूथ स्तर तक संगठनात्मक गतिविधियों को सक्रिय बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं के आपसी समन्वय,संवाद और निरंतर सक्रियता से सुनिश्चित होती है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे,इसके लिए सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता जनसंपर्क के माध्यम से योजनाओं की जानकारी जन–जन तक पहुंचाएं। बैठकों में कार्यकर्ताओं द्वारा उठाई गई समस्याओं को गंभीरता से सुना

कार्यकर्ताओं,पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से संवाद कर संगठन की नियमित बैठकों और प्रवास पर दिया जोर,जनकल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने का किया आह्वान।

गया तथा उनके समाधान के लिए आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया गया। इन बैठकों के माध्यम से संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ ही पुराने एवं वर्तमान कार्यकर्ताओं के अनुभवों,सुझावों और स्थानीय परिस्थितियों पर भी चर्चा की गई।

आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और AIMIM की संयुक्त प्रेस वार्ता संपन्न, 26 नवंबर की लखनऊ रैली के लिए भरी हुंकार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के पदाधिकारियों द्वारा एक संयुक्त पत्रकार वार्ता का आयोजन किया



गया।पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष सिद्धार्थ सरोज ने बताया कि 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर लखनऊ में एक श्बहुजन स्वराज संकल्प महारैलीश का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि इस महारैली में शामिल होने के लिए जनपद बलरामपुर से लगभग 2 हजार की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता लखनऊ कूच करेंगे। इस दौरान विधानसभा प्रभारी लंकेश लालजी लहरी ने राजनीतिक परिस्थितियों पर बयान देते हुए कहा कि भाजपा और आरएसएस पर समाज को हिंदू–मुस्लिम और दलित के नाम पर बांटने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि अब उनके गठबंधन के सामने जाति–पाति के नाम पर होने वाली राजनीति नहीं चल पाएगी, क्योंकि पिछड़ा, दलित, मुस्लिम और अल्पसंख्यक समाज अब जागरूक हो चुका है।

वार्ता में प्रमुख रूप से मौजूद आजाद समाज पार्टी के मंडल प्रभारी मोहम्मद आबिद ने कहा कि उनका दल अल्पसंख्यक, दलित और पिछड़े वर्ग के अधिकारों की लड़ाई जमीनी स्तर से लड़ रहा है और समाज में फैली जातिगत भ्रांतियों को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि यदि भविष्य में उनकी सरकार बनती है, तो वे बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीब कल्याण जैसे बुनियादी मुद्दों पर प्राथमिकता से काम करेंगे। इस प्रेस वार्ता के दौरान प्रभु दयाल बौद्ध, मोनू शिल्पकार, ।पउपउ जिला अध्यक्ष मोहम्मद सिराज कर दीजिए, गुलाम मोहम्मद और जिला पंचायत सदस्य पप्पू चौधरी भीम आर्मी जिला संयोजक बी डी सोल्जर सहित बड़ी संख्या में दोनों दलों के नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देवपुरा पोस्ट ऑफिस में आधार से मोबाइल नंबर लिंक कराने की सुविधा बंद, महिलाओं को हो रही परेशानी

दैनिक बुद्ध का संदेश

हरैया सतघरवा/बलरामपुर। विकासखंड हरैया सतघरवा के अंतर्गत न्याय पंचायत देवपुरा स्थित पोस्ट ऑफिस में आधार कार्ड से मोबाइल नंबर लिंक कराने की सुविधा बंद होने से क्षेत्रीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ दिन पहले तक पोस्ट ऑफिस में यह सुविधा सुचारु रूप से उपलब्ध थी, लेकिन अब लोगों को आधार कार्ड में मोबाइल नंबर जुड़वाने के लिए बलरामपुर या शिवपुर जाना पड़ रहा है। इससे खासकर महिलाओं और बुजुर्गों को काफी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। दूर–दराज जाने में लोगों का समय और पैसा दोनों खर्च हो रहे हैं। इस संबंध में जब देवपुरा पोस्ट ऑफिस के कर्मचारियों से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि उनकी आईडी ऊपर से बंद कर दी गई है, जिसके कारण आधार में मोबाइल नंबर लिंक करने का कार्य नहीं हो पा रहा है। वहीं क्षेत्रीय निवासी रमेश, गीता, संगीता, कुमकुम, मालती, शिवकुमार, राकेश कुमार, विनोद कुमार, दिनेश कुमार और मनोज कुमार सहित अन्य लोगों ने बताया कि पोस्ट ऑफिस में यह सुविधा बंद होने से उन्हें काफी परेशानी हो रही है। छोटे से काम के लिए भी उन्हें दूसरे स्थानों पर जाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से जल्द से जल्द देवपुरा पोस्ट ऑफिस की आईडी चालू कराकर आधार से मोबाइल नंबर लिंक कराने की सुविधा बहाल करने की मांग की है। अब देखने वाली बात यह होगी कि जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या को कब तक संज्ञान में लेते हैं और क्षेत्रीय लोगों को इस परेशानी से कब तक निजात मिल पाती है।

गुरु गोरक्षनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा का समापन, मेगा शिविर में 11,234 मरीजों को मिला उपचार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। नेशनल मेडिकल ऑर्गेनाइजेशन के तत्वावधान में संचालित गुरु



गोरक्षनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 7.0 का मंगलवार को मेगा स्वास्थ्य शिविर के साथ समापन हुआ। श्री देवीपाटन मंदिर के महंत मिथिलेश नाथ योगी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में राज्यमंत्री सतीश शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मेगा शिविर में विभिन्न प्रांतों से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने कुल 11,234 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें उपचार और निशुल्क दवाएं उपलब्ध कराईं। शिविर में हृदय रोग, गुर्दा रोग, तंत्रिका रोग, हड्डी, दंत, नेत्र, बाल, पेट, छाती, त्वचा एवं स्त्री रोग सहित विभिन्न बीमारियों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की जांच की। इसके अलावा नाक–कान–गला और कैंसर रोग से संबंधित मरीजों को भी चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। मरीजों का रक्तचाप, मधुमेह और रक्त संबंधी जांच की गई।

राज्यमंत्री सतीश शर्मा रहे मुख्य अतिथि, विभिन्न प्रांतों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दीं स्वास्थ्य सेवाएं

शिविर में सर्दी, जुकाम और बुखार से पीड़ित बच्चों की संख्या अधिक रही। चिकित्सकीय परामर्श के बाद मरीजों को निशुल्क दवाएं वितरित की गईं। आयोजन में कल्याण सिंह कैंसर संस्थान, बाबू बनारसी दास मेडिकल कॉलेज लखनऊ, मेडिकल कॉलेज अयोध्या, एससीपीएम गोंडा, बलरामपुर स्वास्थ्य विभाग और निदान हॉस्पिटल की टीम का विशेष सहयोग रहा। समापन समारोह में चिकित्सकों और शिविर के सफल आयोजन में योगदान देने वाले सहयोगियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

पात्र लोगों का नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए गांव–गांव संपर्क करें कार्यकर्ता :श्यामधनी राही

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। लोटन ब्लाक क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी लोटन मंडल की ओर से ग्राम पंचायत गुजरौलिया स्थित शक्ति केंद्र गुजरौलिया तथा



ग्राम पंचायत गढ़मोर स्थित शक्ति केंद्र सिकरी पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मतदाता जोड़ो अभियान पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना जरूरी है। कार्यकर्ता गांव–गांव और घर–घर संपर्क कर ऐसे पात्र लोगों को चिह्नित करें, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाया है। नए मतदाताओं का नाम जुड़वाने के साथ ही मतदाता सूची में संशोधन से संबंधित कार्यों में भी लोगों का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता संगठन की असली ताकत हैं। सभी कार्यकर्ता बूथ स्तर पर पूरी सक्रियता के साथ अभियान को सफल बनाएं और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाएं। मंडल अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि मतदाता जोड़ो अभियान संगठन की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। शक्ति केंद्र संयोजक और बूथ अध्यक्ष अपने–अपने क्षेत्रों में पात्र युवाओं एवं छूटे हुए मतदाताओं की पहचान कर उनका नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए जागरूक करें। सभी कार्यकर्ता आपसी समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाने में जुट जाएं।

बैठक में मण्डल महामंत्री रूद्रनरायण पाण्डेय, शक्ति केंद्र संयोजक रमेश पाण्डेय, बूथ अध्यक्ष राजेन्द्र गौड़, राम उजागिर चौधरी, अरुण मद्धेशिया, संतोष मद्धेशिया, रुद्रेश शुक्ला, रामशंकर यादव, प्रेम पाण्डेय, जितेन्द्र, ग्राम प्रधान सुग्रीम कुमार, फूलचंद कन्नौजिया, शक्ति केंद्र संयोजक हरिराम प्रजापति, बूथ अध्यक्ष रामकरण यादव, रामेश्वर यादव और जगदीश्वर सहानी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गिट्टी प्लांट के पास अनियंत्रित होकर पलटा वाहन, दो युवक घायल; एक जिला अस्पताल रेफर



दैनिक बुद्ध का संदेश

कलवारी, बस्ती। बस्ती जिले के कलवारी थाना क्षेत्र में गिट्टी प्लांट के पास मंगलवार को एक वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में दो युवक घायल हो गए। दुर्घटना में एक युवक का दाहिना पैर टूट गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।जानकारी के अनुसार, कलवारी थाना क्षेत्र के दौलतचक गांव निवासी मनीष कुमार (21), पुत्र राम बहाल, अपने साथी भास्कर राव, पुत्र राजा राम के साथ वाहन से जा रहे थे। इसी दौरान गिट्टी प्लांट के पास अचानक वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में दोनों युवक घायल हो गए। मनीष कुमार के दाहिने पैर में गंभीर चोट आई, जबकि भास्कर राव भी घायल हो गए।घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण स्वास्थ्य सेवक वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम त्रिपाठी मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्परता दिखाते हुए घायलों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने में सहयोग किया।प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल मनीष कुमार को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जबकि भास्कर राव की स्थिति सामान्य होने पर उन्हें उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

दरोगा से अभद्रता और वर्दी फाड़ना पड़ा भारी, कान पकड़कर मांगी माफी



दैनिक बुद्ध का संदेश

कुशीनगर। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र में पुलिसकर्मी से अभद्रता और दरोगा का कॉलर पकड़कर वर्दी फाड़ने के मामले में तीन आरोपितों को गिरतार कर जेल भेज दिया गया। पुलिस की कार्रवाई के बाद आरोपितों के तेवर पूरी तरह बदल गए। गिरतारी से पहले रौब दिखाने वाले आरोपित बाद में हाथ जोड़कर और कान पकड़कर माफी मांगते नजर आए। इस घटना की चर्चा पूरे इलाके में हो रही है।

सम्मन

माननीय न्यायालय सिविल जज (सी0डी0) अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जनपद बलरामपुर द्वारा मुकदमा अपराध संख्या 186/2025, धारा 406/419/420 भा.दं.सं.व धारा 3क,21(3)बड्स एक्ट थाना तुलसीपुर जनपद बलरामपुर में वांछित अभियुक्त– राहुल पंचाल पुत्र संजय पंचाल निवासी 4028 New MCF 5863/729 चौकी संजय कालोनी थाना मुजेसर सेक्टर 23 जिला फरीदाबाद हरियाणा सेक्टर 22 के विरुद्ध धारा 84 बीएनएसएस के अंतर्गत उद्घोषणा जारी की गई है। अभियुक्त उपरोक्त न्यायालय द्वारा जारी वारंट एवं पुलिस की निरंतर कार्यवाही के बावजूद फरार चल रहा है तथा गिरफ्तारी से बच रहा है। अतः अभियुक्त को यह उद्घोषित किया जाता है कि वह इस प्रकाशन की तिथि से निर्धारित अवधि के भीतर माननीय न्यायालय सिविल जज (सी0डी 0) अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जनपद बलरामपुर अथवा थाना तुलसीपुर जनपद बलरामपुर में उपस्थित होकर आत्मसमर्पण करे।

अवैध पैथोलॉजी पर शिकंजा कसने की तैयारी, लेकिन जांच टीम में मजिस्ट्रेट ही नहीं

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद में अवैध रूप से संचालित पैथोलॉजी, लैब, डायग्नोस्टिक सेंटर और कलेक्शन सेंटरों पर कार्रवाई को लेकर स्वास्थ्य विभाग की तैयारियां सवालों के घेरे में हैं। शासन की ओर से प्रदेशव्यापी विशेष निरीक्षण अभियान चलाकर इन केंद्रों की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन सिद्धार्थनगर में स्वास्थ्य विभाग ने मजिस्ट्रेट को शामिल किए बिना ही जांच समितियों का गठन कर दिया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि यदि जांच के दौरान अवैध रूप से संचालित केंद्र मिलते हैं तो उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई कैसे होगी?दरअसल, महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं की ओर से जनपद को पत्र भेजकर प्रदेशव्यापी विशेष निरीक्षण अभियान के तहत पैथोलॉजी, लैब, डायग्नोस्टिक सेंटर और कलेक्शन सेंटरों की जांच कराने के निर्देश दिए गए हैं। जांच की प्रक्रिया चार सप्ताह के भीतर पूरी कर रिपोर्ट मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध करानी है।शासन से निर्देश मिलने के बाद सीएमओ ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित पैथोलॉजी और कलेक्शन सेंटरों की जांच के लिए समितियां गठित की हैं। इसके तहत पांचों तहसीलों नौगढ़, शोहरतगढ़, इटवा, डुमरियागंज और बांसी में अलग–अलग जांच टीमें बनाई गई हैं। इन समितियों में डिप्टी सीएमओ, पैथोलॉजिस्ट और संबंधित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के अधीक्षकों को शामिल किया गया है।हालांकि, जांच समिति में मजिस्ट्रेट को शामिल नहीं किए जाने से कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं। विभागीय जानकारों का कहना है कि जांच के दौरान यदि कोई केंद्र बिना पंजीकरण या निर्धारित मानकों के विपरीत संचालित मिलता है तो उसे तत्काल सील करने की कार्रवाई में प्रशासनिक सहयोग की जरूरत पड़ सकती है। ऐसे में मजिस्ट्रेट की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है।जनपद में लगभग हर प्रमुख चौराहे और बाजार में पैथोलॉजी सेंटर संचालित हो रहे हैं। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग में केवल 80 पैथोलॉजी केंद्र पंजी.त हैं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में ऐसे केंद्र संचालित होने की बात सामने आती रही है, जिनके पंजीकरण और निर्धारित मानकों के पालन पर सवाल हैं। आरोप यह भी हैं कि कुछ पंजी.त केंद्रों पर योग्य चिकित्सक या पैथोलॉजिस्ट की उपलब्धता नहीं है और जांच का काम अप्रशिक्षित कर्मचारियों से कराया जा रहा है।ऐसे में शासन के निर्देश पर होने वाली जांच से इन केंद्रों की वास्तविक स्थिति सामने आने की उम्मीद है। अब देखना यह होगा कि जांच समितियां केवल कागजी औपचारिकता पूरी करती हैं या वास्तव में अनियमितताओं पर कार्रवाई भी सुनिश्चित होती है।सीएमओ ने नौगढ़, शोहरतगढ़, इटवा, डुमरियागंज और बांसी तहसीलों में जांच का जिम्मा संबंधित डिप्टी सीएमओ को सौंपा है। इनके साथ पैथोलॉजिस्ट और संबंधित सीएचसी अधीक्षकों को जांच अधिकारी नामित किया गया है। सभी समितियों को अपने–अपने क्षेत्र में संचालित केंद्रों का निरीक्षण कर रिपोर्ट सीएमओ कार्यालय को उपलब्ध करानी है।प्रभारी सीएमओ डॉ. प्रमोद कुमार ने बताया कि जनपद के 99 पैथोलॉजी और कलेक्शन सेंटरों की जांच के लिए शासन से पत्र प्राप्त हुआ है। इसके आधार पर जांच समितियों का गठन किया गया है। जांच के दौरान यदि कोई सेंटर अवैध रूप से संचालित मिलता है तो उसे सील करने की कार्रवाई की जाएगी। सीलिंग की कार्रवाई के लिए मजिस्ट्रेट को बुलाया जाएगा।

जल संरक्षण की ग्रामीणों को दिलाई गई शपथ

कैच द रेन अभियान को बढ़ावा देने और पानी की बर्बादी रोकने का लिया संकल्प

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर विकास खंड के गंभीरपुर ग्राम पंचायत स्थित प्राथमिक विद्यालय में मंगलवार को जल जीवन मिशन की कार्यदायी संस्था जीवीपीआर इंजीनियर लिमिटेड की ओर से जलार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। साथ ही हर घर नल से जल योजना को सफल बनाने और कैच द रेन अभियान को जनभागीदारी से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।कार्यक्रम में ग्रामीणों और समाजसेवियों ने जल स्रोतों पर पूजा–अर्चना कर जल अर्पित किया। जीवीपीआर के अभियंता सुधीर कुमार ने कहा कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही पानी की बर्बादी रोकने, वर्षा जल संचयन और सोख्ता गड्ढों के निर्माण के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।शपथकर्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता प्रशांत दुबे ने उपस्थित लोगों को कैच द रेन अभियान को बढ़ावा देने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण की शुरुआत घर से होनी चाहिए। सभी लोग संकल्प लें कि एक बूंद भी पानी व्यर्थ नहीं जाने देंगे और जल स्रोतों को सुरक्षित रखने में अपनी भागीदारी निभाएंगे।जीवीपीआर के सुपरवाइजर अंकित कुमार ने कहा कि जनसहभागिता से ही जल जीवन मिशन और जल संरक्षण के प्रयास सफल हो सकते हैं। इस मौके पर प्रधान प्रतिनिधि मनोज कुमार, शिक्षक संदीप कुमार, वाल्व ऑपरेटर मृत्युंजय तिवारी, रामचरितर, चमेली देवी, सुनीता देवी सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

आयुष्मान योजना के अस्पतालों पर शिकंजा, निजी अस्पतालों के आईसीयू की होगी जांच

दैनिक बुद्ध का संदेश

लखनऊ। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत मरीजों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार ने निजी अस्पतालों की निगरानी तेज कर दी है। योजना में सूचीबद्ध निजी अस्पतालों के इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) की विशेष जांच कराई जाएगी। जांच में निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरने वाले अस्पतालों को आयुष्मान योजना की सूची से बाहर किया जा सकता है।स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) ने इस संबंध में संबंधित ऑडिट एजेंसियों को आईसीयू की जांच के लिए विस्तृत चेकलिस्ट जारी की है। एजेंसियों को 30 नवंबर तक अपनी जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस कार्रवाई का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आयुष्मान कार्ड धारकों को गंभीर बीमारियों के उपचार के दौरान भी निर्धारित गुणवत्ता और मानकों के अनुरूप सुविधाएं मिल सकें।साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि सभी संबंधित ऑडिट एजेंसियों को आईसीयू से संबंधित विस्तृत चेकलिस्ट उपलब्ध कराई गई है। इसी के आधार पर अस्पतालों में उपलब्ध संसाधनों, चिकित्सा सुविधाओं और निर्धारित मानकों की जांच की जाएगी।नई गाइडलाइन के तहत आईसीयू को तीन स्तरों में विभाजित किया गया है। लेवल–1 आईसीयू में ऐसे मरीजों को शुरुआती उपचार, स्थिरीकरण और सामान्य निगरानी की सुविधा दी जाती है, जिनके एक अंग की कार्यक्षमता प्रभावित होती है।लेवल–2 आईसीयू में दो या उससे अधिक अंगों की कार्यक्षमता प्रभावित होने पर गंभीर मरीजों को लगातार चिकित्सा सहायता और निगरानी उपलब्ध कराई जाती है। वहीं लेवल–3 आईसीयू सबसे गंभीर मरीजों के लिए निर्धारित है। इसमें मल्टी ऑर्गन फेल्योर जैसी गंभीर स्थिति से जूझ रहे मरीजों का उपचार किया जाता है।आईसीयू की जांच के दौरान अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं और संबंधित स्तर के अनुरूप संसाधनों की उपलब्धता का आकलन किया जाएगा। ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर मानकों का पालन नहीं करने वाले अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर उनकी आयुष्मान योजना के तहत सूचीबद्धता समाप्त की जा सकती है।

तदर्थ शिक्षकों को बड़ी राहत, नई भर्ती होने तक पूर्णकालिक शिक्षकों के समान मिलेगा वेतन

दैनिक बुद्ध का संदेश

लखनऊ।उत्तर प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत तदर्थ शिक्षकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। अब नए शिक्षकों की नियमित नियुक्ति होने तक इन तदर्थ शिक्षकों को पूर्णकालिक शिक्षकों के समान वेतन मिलता रहेगा। शासन की ओर से इस संबंध में हाईकोर्ट के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश जारी किए गए हैं।गौरतलब है कि नौ नवंबर 2023 को प्रदेश के एडेड माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत तदर्थ शिक्षकों की सेवाएं समाप्त कर दी गई थीं। इसके बाद इनमें से कई शिक्षकों को न्यायालय के आदेश पर दोबारा विद्यालयों में कार्य करने का अवसर मिला, लेकिन उन्हें नियमित वेतन के स्थान पर 25 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा था। इससे शिक्षकों के सामने आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई थी।अब अपर मुख्य सचिव, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा की ओर से हाईकोर्ट के आदेश को लागू कराने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके तहत संबंधित तदर्थ शिक्षकों की सेवा निरंतरता बनाए रखते हुए उन्हें पहले की तरह पूर्णकालिक शिक्षकों के समान वेतन दिए जाने का रास्ता साफ हुआ है। नई नियुक्तियां होने तक उन्हें इस व्यवस्था का लाभ मिलेगा।इस फैसले से लंबे समय से वेतन और सेवा संबंधी राहत की उम्मीद लगाए बैठे तदर्थ शिक्षकों को बड़ी राहत मिलने की संभावना है।प्रदेश के 163 नवनिर्मित राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक, प्रवक्ता और एलटी ग्रेड सहायक अध्यापकों के कुल 1507 पदों के सृजन को मंजूरी मिली है।

मुख्यमंत्री की घोषणा, समग्र शिक्षा और प्रधानमंत्री जन विकास योजना के तहत इन विद्यालयों का निर्माण कराया गया है। शिक्षा निदेशालय की ओर से 25 मई को भेजे गए प्रस्ताव को राज्यपाल ने स्वी.ति प्रदान कर दी है।अशासकीय सहायता प्राप्त इंटर कॉलेजों और हाईस्कूलों में प्रधानाचार्य एवं प्रधानाध्यापक भर्ती के लिए 75 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से 22 नवंबर तक आवेदन मांगे गए थे। प्रधानाचार्य के 1475 पदों के लिए 43 हजार से अधिक और प्रधानाध्यापक के 1172 पदों के लिए करीब 32 हजार आवेदन मिले हैं। लिखित परीक्षा सात जनवरी को प्रस्तावित है।

मवेशी से टकराकर बाइक सवार कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल, जिला अस्पताल रेफर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर थाना क्षेत्र के बीजपुर–मुर्धवा मार्ग पर रासपहरी गांव के पास मंगलवार सुबह करीब 11 बजे सड़क पर अचानक आए मवेशी से टकराकर बाइक सवार कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में कांस्टेबल की बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई।घायल कांस्टेबल की पहचान 24 वर्षीय अत्रेय पाठक निवासी प्रयागराज के रूप में हुई है। वह म्योरपुर थाने में तैनात हैं। बताया गया कि उनकी ड्यूटी दुद्धी तहसील में लगी थी। ठंड को देखते हुए वह गर्म कपड़े लेने म्योरपुर आए थे। मंगलवार सुबह गर्म कपड़े लेकर बाइक से वापस दुद्धी ड्यूटी पर जा रहे थे। इसी दौरान रासपहरी गांव के पास अचानक सड़क पर आए मवेशी से उनकी बाइक टकरा गई।हादसे की सूचना पर पुलिस ने 108 एंबुलेंस की सहायता से घायल कांस्टेबल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र म्योरपुर पहुंचाया। जहां चिकित्सक डॉ. पल्लवी सिन्हा ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।डॉ. पल्लवी सिन्हा ने बताया कि कांस्टेबल के एक पैर और एक हाथ में फ्रैक्चर है। इसके अलावा शरीर के अन्य हिस्सों में भी चोटें आई हैं। थानाध्यक्ष आरएस शर्मा ने भी कांस्टेबल के घायल होने की पुष्टि की है।

देव दीपावली पर 51 हजार दीपों से जगमगाएगा रेणुका घाट

दैनिक बुद्ध का संदेश

ओबरा/ सोनभद्र। कार्तिक पूर्णिमा पर मंगलवार को मनाए जाने वाले देव दीपावली पर्व को लेकर ओबरा नगर के रेणुका छठ घाट एवं आरती चित्र मंदिर का प्रांगण मे सामाजिक प्रगति परिषद एवं युवा जागरण मंच के तत्वावधान में 11वें वर्ष भव्य आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस पर्व पर रेणुका छठ घाट 51 हजार दीपो से जगमगाएगा स धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान शिव द्वारा त्रिपुरासुर का वध किए जाने की स्मृति में देव दीपावली मनाई जाती है। मान्यता है कि इस दिन देवता पृथ्वी पर उतरकर गंगा में स्नान करते हैं। काशी की तर्ज पर दीपदान और आरती इस पर्व का विशेष आकर्षण है।इसी धार्मिक और सांस्.तिक परंपरा को स्थानीय स्तर पर जीवंत रखने के उद्देश्य से आयोजित महोत्सव में मंगलवार को दोपहर मे रंगोली प्रतियोगिता हुई। इसमें 17 समूहों की 400 से अधिक छात्राओं ने प्रतिभाग किया। नगर के शिक्षा निकेतन, किड्स केयर, स्वामी सत्यनंद, कैरियर कॉवेंट,आदि विद्यालयों के सैकड़ो छात्राओं ने स्वास्थ्य, नारी सशक्तिकरण और सड़क सुरक्षा, पर्यावरण प्रदूषण, जनगणना जैसे विषयों पर आकर्षक रंगोलियां बनाकर सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। रंगोलियों को मिट्टी के दीपों से सजाया गया।प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों के लिए क्रमशः 11 हजार, 5100 और 2100 रुपये की पुरस्कार दिया जाएगा। इस पर्व कों धूम धाम से मानाने कों लेकर नगर पंचायत ओबरा की ओर से साफ–सफाई, पेयजल और सार्वजनिक शौचालय की व्यवस्था कराई गई। क्षेत्राधिकारीप्रभात राय और थाना प्रभारी प्रसून प्रणय कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन की निगरानी की। वही शाम को 51 हजार दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ काशी से आमंत्रित विद्वान पंडितों द्वारा मां रेणुका की आरती की जाएगी। आयोजन समिति के अध्यक्ष आशुतोष यादव, संयोजक अक्षय पांडे और कार्यक्रम संचालक अभिषेक अग्रहरी सिद्धांत पटेल विकास पाठक अभिषेक सेठ विभूति शुक्ला, सामाजिक परिषद के संस्थापक सुशील मिश्रा श्संग्रामश विपुल शुक्ला, नीरज भाटिया आदि लोगो का मार्गदर्शन रहा।



कलवारी में सड़क हादसे में अज्ञात युवक की मौत, बाइक नंबर से भी नहीं हो सकी शिनाख्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

कलवारी/बस्ती। बस्ती जिले के कलवारी थाना क्षेत्र के गोलवा में मंगलवार शाम करीब 5रू30 बजे हुए सड़क हादसे में एक अज्ञात युवक की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने युवक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन काफी कोशिशों के बावजूद उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। घटनास्थल से मिली बाइक का रजिस्ट्रेशन नंबर भी फिलहाल मृतक की पहचान कराने में मददगार साबित नहीं हुआ है।जानकारी के अनुसार, हादसे के बाद दुर्घटनाग्रस्त बाइक का पंजीकरण नंबर यूपी51बीएल3710 सामने आया है। हालांकि, बाइक के नंबर के आधार पर भी मृतक युवक की पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस मृतक की पहचान कराने के लिए प्रयास कर रही है।घटना के बाद स्थानीय लोगों में सड़क सुरक्षा को लेकर नाराजगी देखने को मिली। लोगों का कहना है कि तेज रतार और यातायात नियमों की अनदेखी के कारण लगातार सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने यातायात व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि नेताओं और मंत्रियों के काफिले के गुजरने पर कई किलोमीटर पहले से यातायात रोक दिया जाता है और पुलिस की विशेष तैनाती की जाती है, लेकिन आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए सड़कों पर वैसी सतर्कता क्यों नहीं दिखाई देती?स्थानीय लोगों ने दुर्घटना संभावित स्थानों पर यातायात निगरानी बढ़ाने, नियमों का सख्ती से पालन कराने और सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।इस संबंध में थाना प्रभारी संतोष गौड़ ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।

रश्बबर्ट्सगंज कस्बे के होटल एवं रेस्टोरेंटों में चलाया गया सघन अग्नि सुरक्षा अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण में 24.11.2026 को अग्निशमन अधिकारी द्वारा कस्बा रॉबर्ट्सगंज में संचालित होटल एवं रेस्टोरेंटों में अग्नि सुरक्षा के .ष्टिगत सघन अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य होटल एवं रेस्टोरेंटों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उपलब्ध अग्निशमन उपकरणों की कार्यशीलता सुनिश्चित करना तथा किसी भी आकस्मिक अग्नि दुर्घटना की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी बचाव कार्य हेतु संबंधित स्टाफ को प्रशिक्षित करना रहा। अभियान के दौरान होटल एवं रेस्टोरेंटों में स्थापित अग्निशमन उपकरणों का निरीक्षण करते हुए उनकी क्रियाशीलता का परीक्षण किया गया। अग्निशमन उपकरणों के सही तरीके से उपयोग एवं संचालन के संबंध में संबंधित प्रतिष्ठानों के स्टाफ को व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही आग लगने की स्थिति में प्रारंभिक स्तर पर आग पर नियंत्रण पाने तथा अग्निशमन उपकरणों का प्रभावी उपयोग करने के संबंध में आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया। अग्निशमन अधिकारी द्वारा प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों को आग लगने के संभावित कारणों एवं उससे बचाव के उपायों के बारे में जागरूक किया गया। विशेष रूप से धुएं से भरे भवन अथवा कमरे में फंस जाने की स्थिति में सुरक्षित बाहर निकलने, घबराहट से बचने, नीचे झुककर अथवा रेंगते हुए सुरक्षित स्थान तक पहुंचने तथा स्वयं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के तरीके बताए गए। इसके अतिरिक्त होटल एवं रेस्टोरेंट संचालकों तथा संबंधित स्टाफ को अग्नि सुरक्षा के आवश्यक मानकों का पालन करने, अग्निशमन उपकरणों को सदैव क्रियाशील एवं सुलभ स्थिति में रखने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में सतर्कता एवं तत्परता से कार्य करने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए गए।



मतदाता सूची पुनरीक्षण विशेष अभियान के तहत पात्र युवा मतदाताओं के नाम दर्ज करायें– जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मतदाता सूची पुनरीक्षण विशेष अभियान के अंतर्गत नए युवा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण विशेष अभियान के तहत नए युवा मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को जो लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं, उन्हें निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराया जाए। सभी संबंधित अधिकारी अपने–अपने स्तर पर अभियान की नियमित समीक्षा करते हुए लक्ष्य के अनुरूप प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने आगामी 28 एवं 29 नवंबर को आयोजित होने वाले विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के संबंध में भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान के सफल संचालन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करें तथा यह सुनिश्चित करें कि अभियान के दौरान पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने एवं नाम तथा विवरण में संशोधन सहित निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित अन्य कार्यवाहियां प्रभावी ढंग से संपन्न हों। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पात्र युवाओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए जागरूक एवं प्रोत्साहित किया जाए, जिससे कोई भी पात्र युवा मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वागीश कुमार शुक्ला, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी जगरूप पटेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।



श्री अजीरेश्वर धाम में आज मनाई जाएगी देव दीपावली, 3100 दीपों से जगमगाएगा मंदिर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बीजपुर/सोनभद्र। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री अजीरेश्वर महादेव धाम मंदिर में आज शाम 5 बजे देव दीपावली का भव्य आयोजन किया जाएगा। श्री अजीरेश्वर धाम परमार्थ जन सेवा ट्रस्ट एवं सांस्.तिक समिति की ओर से मंदिर परिसर को रंग–बिरंगी रंगोली से सजाया जाएगा और 3100 दीपक जलाकर पूरे मंदिर को जगमग किया जाएगा। समिति ने सभी पदाधिकारियों, सदस्यों, कीर्तन मंडली ग्रुप के सदस्यों, गुरुजनों, माताओं–बहनों, इष्टमित्रों एवं सभी भक्तगणों से शाम 5 बजे मंदिर पर पहुंचकर इस मनोरम .श्य का आनंद उठाने और कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। समिति की ओर से सभी भक्तों को कार्तिक पूर्णिमा देव दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दी गई हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

वर्दी पहनना चाहती थीं सेलिना जेटली, किस्मत ने पहना दिया फेमिना मिस इंडिया यूनिवर्स का ताज



अभिनेत्री सेलिना जेटली आज किसी कॉकपिट में बैठकर बादलों के बीच उड़ान भर रही होतीं या किसी अस्पताल के गलियारों में तेज कदमों से चल रही होतीं, तो शायद किसी को हैरानी न होती क्योंकि अभिनय की दुनिया में आने से पहले वह भारतीय वायुसेना की पायलट या डॉक्टर बनना चाहती थी लेकिन उनकी जिंदगी ने नया मोड़ लिया और वे बॉलीवुड की हीरोइन बन गईं। आइए जानते हैं कि सेना की वर्दी पहनने की चाह रखने वाली वाली एक साधारण सी लड़की ने कैसे ग्लैमर की दुनिया में कदम रखा और बॉलीवुड की अदाकारा के तौर पर लोगों के दिलों में खास जगह बनाई। 24 नवंबर 1981 में हिमाचल प्रदेश में जन्मी अभिनेत्री सेलिना जेटली बॉलीवुड की उन अदाकारों में शुमार हैं, जिनका परिवार पीढ़ियों से देश की सेवा में योगदान देता आ रहा है। दरअसल, अभिनेत्री के पिता भारतीय सेना (कुमाऊं रेजिमेंट) में कर्नल थे और साल 1971 में भारत–पाक युद्ध में हिस्सा भी लिया था, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनकी सुनने की शक्ति चली गई थी। उन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध में भी सेवा दी थी और उनकी मां मीता सेना में नर्स रह चुकी हैं। उनके नाना भी भारतीय सेना की राजपूताना राइफल्स में कर्नल के पद पर कार्यरत थे और उन्होंने 1962 व 1965 के युद्धों में भाग लिया था।

वहीं, अभिनेत्री के भाई भारतीय सेना की विशिष्ट 3 पैरा स्पेशल फोर्सेज में मेजर के पद से सेवानिवृत्त हैं। वीरता के लिए उन्हें सेनाध्यक्ष (सीओएएस) प्रशंसा पत्र से भी सम्मानित किया जा चुका है। हाल ही में वे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हिरासत में लिए जाने के मामले को लेकर चर्चा में रहे हैं। माता– पिता के तबादलों के चलते अभिनेत्री सेलिना जेटली का बचपन देश के अलग–अलग हिस्सों में बीता, जिससे उन्हें कई भाषाओं और परिवेशों को समझने का मौका मिला। स्कूली शिक्षा खत्म होने के बाद अभिनेत्री ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से वाणिज्य (कॉमर्स) में स्नातक किया।

आर्मी के माहौल में पली–बढ़ी सेलिना बचपन में अपने पिता की तरह सेना में शामिल होना चाहती थीं, उन्होंने मन बना लिया था कि वह पायलट और डॉक्टर बनेंगी। इसके लिए वे मेडिकल (पीएमटी) और कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज (सीडीएस) जैसी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थीं। वहीं, पढ़ाई के दौरान अपना खर्च चलाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए अभिनेत्री ने 15–16 साल की उम्र में स्थानीय ब्रांड्स और बंगाली पत्रिकाओं के लिए मॉडलिंग करनी शुरू कर दी थी। इस दौरान अभिनेत्री रिम्मी सेन भी उनकी स्कूल की दोस्त थीं और दोनों ने शुरुआत में कुछ मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स भी किए थे।

मॉडलिंग के साथ–साथ उन्होंने एक टेलीकॉम (सेलफोन नेटवर्क) कंपनी में मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव के तौर पर भी काम किया, जहां वे सेल्स टीम को लीड करती थीं। इसी दौरान दोस्तों और शुभचिंतकों के प्रोत्साहन पर उन्होंने एक स्थानीय सौंदर्य प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जिसने उनके लिए बड़े मंच के दरवाजे खोल दिए। फिर, साल 2001 में अभिनेत्री ने फेमिना मिस इंडिया यूनिवर्स का ताज अपने नाम किया। मिस इंडिया बनने के बाद सेलिना ने प्यूर्टो रिको के बयामन में आयोजित मिस यूनिवर्स 2001 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया और प्रतियोगिता के टॉप–5 फाइनलिस्ट में पहुंचीं और चौथी रनर–अप का खिताब जीता। यह उपलब्धि इसलिए भी खास थी क्योंकि उनके बाद अगले 20 वर्षों तक (2021 में एडलाइन कैस्टेलिनो से पहले) कोई भी भारतीय सुंदरी मिस यूनिवर्स के टॉप–5 में जगह नहीं बना पाई थी। मिस यूनिवर्स की सफलता के बाद मशहूर अभिनेता और निर्देशक फिरोज खान की नजर उन पर पड़ी, जिसके बाद उन्होंने 2003 की फिल्म जानशीन से बॉलीवुड में कदम रखा और आगे चलकर नो एंट्री तथा गोलमाल रिटर्न्स जैसी हिट फिल्मों में काम किया।

माधुरी दीक्षित को भी है चाय का शौक, बोलीं– हमारे घर में दिनभर बनती थी चाय

बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित अपनी शानदार अदाकारी के साथ–साथ अपने खुशमिजाज अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं।



इन दिनों वह मराठी रियलिटी क्विज शो कोण होणार करोड़पति को होस्ट कर रही हैं। शो में माधुरी अक्सर अपनी जिंदगी से जुड़े दिलचस्प किस्से शेयर करती नजर आती हैं। हाल ही में शो के दौरान कमीडियन और अभिनेता भुवन बाम के साथ बातचीत में माधुरी ने चाय के प्रति अपने प्यार का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि उनके घर में भी दिनभर चाय बनती थी और यह घर की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा हुआ करती थी। दरअसल, शो में माधुरी भुवन बाम के साथ बातचीत कर रही थीं। इस दौरान भुवन ने बताया कि उन्हें मुंबई की सबसे अच्छी बात वहां के लोग लगते हैं। उनकी इस बात पर माधुरी ने सहमति जताईं। उन्होंने मुंबई के लोगों की मदद करने वाले स्वभाव की तारीफ की। इसके बाद बातचीत का रुख चाय की तरफ मुड़ गया। भुवन ने चाय के प्रति अपना प्यार जाहिर करते हुए बताया कि उन्हें चाय पीना बहुत पसंद है। इस पर माधुरी ने भी अपनी चाय की आदत का जिक्र किया। उन्होंने अपने घर का पुराना रूटीन याद करते हुए बताया, हमारे घर में भी दिनभर चाय बनती थी। भुवन ने भी अपने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया कि उनके लिए तो एक पूरा फ्लास्क चाय तैयार किया जाता था। इस पर माधुरी ने उनकी बात आगे बढ़ाते हुए पूछा कि दिनभर चाय पीने के साथ अनजाने में काफी चीनी भी शरीर में चली जाती होगी। इस पर भुवन ने बताया कि उन्होंने अब चीनी खाना छोड़ दिया है। उनकी इस बात पर माधुरी ने अपने मजेदार अंदाज में उनकी तारीफ करते हुए कहा, यह बहुत अच्छी बात है। आपने चीनी खाना छोड़ दिया है, लेकिन आप अब भी इतने स्वीट हैं। माधुरी की इस बात पर भुवन शरमा गए और मुस्कुराते हुए थैंक्यू बोला।

अविनाश के माफी मांगते ही एक्स कावेरी प्रियम ने किया पोस्ट, लिखा- कुछ एक्टर्स रियल लाइफ में...



टीवी एक्टर अविनाश मिश्रा और ईशा सिंह के ब्रेकअप की खबरों ने मनोरंजन जगत में चर्चा तेज कर दी है। अविनाश ने खुद एक वीडियो साझा कर ईशा से माफी मांगी है और अपने रिश्ते के टूटने की जिम्मेदारी भी ली है। इसी बीच एक्ट्रेस कावेरी प्रियम का एक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। खास बात यह है कि पहले कावेरी और अविनाश के डेटिंग की खबरें भी सामने आ चुकी हैं।

कावेरी प्रियम ने किस पर साधा निशाना?

अविनाश मिश्रा का माफी मांगते हुए वीडियो सामने आने के बाद कावेरी प्रियम ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा किया। कावेरी ने इस पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन सोशल मीडिया पर फैंस कयास लगा रहे हैं कि उनका इशारा अविनाश मिश्रा की ओर है। एक्ट्रेस ने अपनी पोस्ट में लिखा, "कुछ एक्टर्स कैमरे से ज्यादा अच्छी एक्टिंग रियल लाइफ में कर लेते हैं। कुछ भी हो जाए, नहीं सुधरेंगे।" कावेरी की इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, एक्ट्रेस ने यह साफ नहीं किया है कि उनका इशारा किसकी तरफ था।

ये रिश्ते हैं प्यार केश में साथ काम कर चुके हैं कावेरी और अविनाश

कावेरी प्रियम और अविनाश मिश्रा ने टीवी सीरियल श्ये रिश्ते हैं प्यार केश में साथ काम किया था। इस शो में अविनाश ने कुणाल राजवंश और कावेरी ने उनकी पत्नी कुहू का किरदार निभाया था। बताया जाता है कि शो की शूटिंग के दौरान दोनों की दोस्ती बढ़ी और फिर उनके रिश्ते को लेकर डेटिंग की खबरें सामने आने लगीं। हालांकि, कावेरी और अविनाश ने कभी अपने रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि नहीं की। यह भी दावा किया जाता रहा है कि अविनाश ने कावेरी को धोखा दिया था, जिसके बाद दोनों का रिश्ता टूट गया। हालांकि, इस दावे की दोनों की ओर से पुष्टि नहीं हुई है।

अविनाश मिश्रा ने ईशा सिंह से मांगी माफी

ईशा सिंह के साथ ब्रेकअप की खबरों के बीच अविनाश मिश्रा ने एक वीडियो साझा किया। इसमें उन्होंने ईशा से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी और कहा कि उनके रिश्ते के टूटने की वजह वह खुद हैं। अविनाश ने यह भी माना कि उनसे गलती हुई है और ब्रेकअप की पूरी जिम्मेदारी वह लेते हैं। उन्होंने क्लब में श्बेवफाश गाना बजने को लेकर भी सफाई दी और कहा कि ऐसा गलती से हुआ था। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था। एक्टर ने इस पूरे मामले को यहीं खत्म करने की अपील भी की है। हालांकि, अविनाश के वीडियो के बाद कावेरी प्रियम की पोस्ट ने इस विवाद को फिर से चर्चा में ला दिया है।

ईयर एंडर 2026 : मनोरंजन जगत ने खोए कई सितारे, आशा भोसले से नाना पाटेकर तक इन हस्तियों ने कहा अलविदा

साल 2026 में मनोरंजन जगत के लिए कई मायनों में यादगार रहा, लेकिन इस साल कुछ ऐसी खबरें भी आईं जिन्होंने फिल्म और टीवी इंडस्ट्री को गहरे सदमे में डाल दिया। इस साल आशा भोसले, नाना पाटेकर, मुश्ताक खान और प्रदीप रावत समेत कई जानी–मानी हस्तियों ने दुनिया को अलविदा कह दिया। इनमें कुछ कलाकार लंबी बीमारी से जूझ रहे थे, तो कुछ के अचानक निधन की खबर ने सभी को हैरान कर दिया। आशा भोसलेरू भारतीय संगीत जगत के लिए 12 अप्रैल का दिन बेहद दुखद रहा। दिग्गज गायिका आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली। आठ दशक से ज्यादा लंबे करियर में उन्होंने हिंदी के अलावा कई भाषाओं में हजारों गाने गाए। दम मारो दम, पिया तू अब तो आजा, चुरा लिया है तुमने और इन आंखों की मस्ती जैसे गाने आज भी लोकप्रिय हैं। मुंबई के शिवाजी पार्क में पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। नाना पाटेकररू हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का 8 अक्टूबर को 75 साल की उम्र में निधन हो गया। वह गोवा स्थित अपने घर पर बेहोश पाए गए थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। रिपोर्ट्स में दिल का दौरा पड़ने की बात सामने आई। नाना ने परिंदा, प्रहार, तिरंगा, क्रांतिवीर और खामोशीरू द म्यूजिकल जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया। उनका अंतिम संस्कार पुणे स्थित फार्महाउस में पूरे



राजकीय सम्मान के साथ किया गया।

मुश्ताक खानः फिल्मों में अपने मजेदार अंदाज से दर्शकों को हंसाने वाले अभिनेता मुश्ताक खान का 24 सितंबर को निधन हो गया। वह 56 साल के थे। वह पिछले कुछ समय से लिवर कैंसर से जूझ रहे थे और मुंबई के अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। उन्होंने आशिकी, हम हैं राही प्यार के, जुड़वा, मुझसे शादी करोगी और वेलकम जैसी फिल्मों में काम किया। वेलकम फिल्म में उनका हॉकी खिलाड़ी वाला किरदार और उससे जुड़ा डायलॉग दर्शकों को हमेशा याद रहेगा।

प्रदीप रावतः आमिर खान की फिल्म गजनी में विलेन का किरदार निभाने वाले अभिनेता प्रदीप रावत का 4 अगस्त को 74 साल की उम्र में निधन हो गया। वह पिछले पांच साल से ब्लड कैंसर से जूझ रहे थे। बीमारी से उबरने के बाद दोबारा उनकी तबीयत बिगड़ गई थी और भिवंडी के अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्होंने हिंदी फिल्मों के साथ–साथ साउथ फिल्मों में भी काम किया। लगान में उनका किरदार भी काफी चर्चा में रहा।

कुकू कोहलीरू फिल्ममेकर कुकू कोहली का 25 अगस्त को 77 साल की उम्र में मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में निधन हो गया। उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। उन्होंने फूल और कांटे, सुहाग, हकीकत, अनाड़ी नंबर 1, जुल्मी और ये दिल आशिकाना जैसी फिल्मों का निर्देशन किया। उनकी आखिरी निर्देशित फिल्म वो तेरा नाम था 2004 में रिलीज हुई थी।

संजय गुप्ताः कांटे, शूटआउट एट लोखंडवाला और शूटआउट एट वडाला जैसी फिल्मों के निर्देशक संजय गुप्ता का 30 अक्टूबर की रात को निधन हो गया। वह 59 साल के थे। मुंबई स्थित अपने घर में गिरने से उनके सिर पर गंभीर चोट लगी थी। फिल्ममेकर मिलाप जावेरी और अशोक पंडित ने उनके निधन की खबर की पुष्टि की। उन्होंने आतिश, मुसाफिर, जिंदा, जज्बा, काबिल और मुंबई सागा जैसी फिल्मों के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई।

प्रशांत तमांगः सिंगर और अभिनेता प्रशांत तमांग का 11 जनवरी को 43 साल की उम्र में निधन हो गया। वह इंडियन आइडल के तीसरे सीजन के विजेता थे। शो जीतने के बाद उन्होंने संगीत के साथ अभिनय की दुनिया में भी कदम रखा। उन्होंने नेपाली फिल्मों गोरखा पलटन, निशानी और परदेसी में काम किया। वेब सीरीज पाताल लोक के दूसरे सीजन में भी वह नजर आए थे।

अनुज ठाकुरः टीवी अभिनेता अनुज ठाकुर का 27 अक्टूबर को 33 साल की उम्र में निधन हो गया। वह धूम मचाओ धूम, बंधन साथ जनमों का, बिदाई बनूंगा घोड़ी चढ़ूंगा और गुजराती शो महिसागर में काम कर चुके थे। कास्टिंग मैनेजर रूपेश सोनार के मुताबिक, अनुज को नींद में दौरा पड़ा था और वह दोबारा नहीं उठे। दिव्या विनेकरः अभिनेत्री दिव्या विनेकर के निधन की खबर 20 अक्टूबर को सामने आई। वह 40 साल की थीं। उनके दोस्त और रेडियो जॉकी रोहिणी रामनाथन ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उनके निधन की पुष्टि की। दिव्या ने आलिया भट्ट और शेफाली शाह की फिल्म डार्लिंग्स में महिला कांस्टेबल और विद्या बालन की फिल्म जलसा में एक कर्मचारी की भूमिका निभाई थी।

संचिता उगलेः टीवी अभिनेत्री संचिता उगले का 14 जून को 22 साल की उम्र में निधन हो गया। वह कुमकुम भाग्य, वागले की दुनिया और दिलवाली दुल्हा ले जाएगी जैसे शो में नजर आई थीं। वह छावा और साइलेंस 2 जैसे प्रोजेक्ट से भी जुड़ी।

गिरि बाबूरू तेलुगु फिल्मों के अभिनेता, निर्देशक और निर्माता गिरि बाबू का 14 नवंबर को 83 साल की उम्र में हैदराबाद में निधन हो गया। वह उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के चलते अस्पताल में भर्ती थे। उनका असली नाम येर्रा शेषगिरि राव था। अपने पांच दशक से ज्यादा के करियर में उन्होंने 600 से ज्यादा फिल्मों में काम किया, जिनमें अन्नादम्मुला अनुबन्धम, कुरुक्षेत्रम, मल्लेपुवु, अथाडु, गीता गोविंदम और जाति रत्नालु जैसी फिल्में शामिल हैं।